संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 250
पृष्ठ 8
रविवार
31 मई 2026
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सी सेक्शन डिलीवरी के बाद...   विचार- भारत की कूटनीति, अवसर...   खेल- क्या अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए...

योगी, रक्षामंत्री के साथ युद्धपोत के अंदर गए, लखनऊ में राजनाथ सिंह ने सीएम की तारीफ की, कहा

जिस तरह यूपी को संभाला, वह मिसाल

लखनऊ (संवाददाता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में शनिवार को सीएम योगी की तारीफ की। उन्होंने कहा– यूपी कभी वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया के नाम से जाना जाता था। इन्वेस्टर्स यहां आने से डरते थे। लेकिन अब यूपी बदल चुका है। सीएम योगी ने यहां के बिगड़े हुए लॉ एंड ऑर्डर को जिस तरह संभाला, वह अपने आप में मिसाल है। सीएम ने यूपी की छवि वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट के रूप में पेश की।

रक्षामंत्री ने नौसेना शौर्य वाटिका का उद्घाटन किया। वे सीएम योगी के साथ रिटायर्ड युद्धपोत INS गोमती के अंदर गए और अफसरों से युद्धपोत के बारे में जानकारी ली। INS गोमती को वाटिका में रखा गया है। यह युद्धपोत 35 साल की सेवा के बाद 28 मई 2022 को नौसेना से रिटायर हुआ था।

सीएम योगी ने कहा– याद कीजिए 2017 से पहले इसी उत्तर प्रदेश में हर रोज कर्फ्यू लगता था। पेशेवर माफिया और अपराधियों ने जीना हराम कर दिया था। सामने वाला यदि देश के लिए खतरा है, तो उसके साथ अहिंसा नहीं, बल्कि उसे उसी भाषा में जवाब देने के लिए हिंसा का रास्ता अपनाना चाहिए।

पर्यटन विभाग ने नौसेना की मदद से यह वाटिका विकसित की है, जो लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम के गेट नंबर–5 के पास स्थित है। वाटिका 2 एकड़ क्षेत्र में बनी है। करीब 19 करोड़ रुपए की

लागत आई है। इसे बनने में 4 साल लगे हैं।

पर्यटन विभाग के अनुसार, वाटिका में INS गोमती के साथ कुछ जहाजों के पार्ट्स और हथियार रखे गए हैं। इनमें AK–726 मीडियम रेंज गन, CET&53M टॉरपीडो डिकॉय सिस्टम, जिफ–101 लॉन्चर, कैपस्टन ड्रम और जहाज का बड़ा प्रोपेलर (पंखा) शामिल हैं। INS गोमती को नौसेना से रिटायर किया जा चुका है। इनके जरिए लोगों को भारतीय नौसेना की तकनीकी ताकत और युद्ध क्षमता के बारे में जानकारी मिलेगी।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा– हर क्षेत्र में यूपी अब अप (UP) कर रहा है। यानी आगे बढ़ रहा है। हम सभी इस वाटिका को आप सभी लोगों को समर्पित कर रहे हैं। आप लोग यहां अपने परिवार और बच्चों के साथ आइए। यहां घूमिए और जानिए कि नौसैनिकों की ड्रेस कपड़ा नहीं, बल्कि एक कर्तव्य है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बताया– नौसेना शौर्य वाटिका में लगाए गए सारे युद्धपोत और हथियार एकदम ओरिजिनल हैं।

यह पार्क कोई साधारण पार्क स्थल नहीं है। यह हमारे लिए प्रेरणा है। रिकॉर्ड समय में इस वाटिका को तैयार कराने के लिए सीएम योगी का मैं धन्यवाद करता हूं।

सीएम योगी का बड़ा बयान

जो देश–समाज के लिए खतरा, उनके लिए हिंसा ही उचित

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अहिंसा मानव जीवन का मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए, लेकिन राष्ट्र और समाज के लिए खतरा पैदा करने वाले व्यक्तियों से निपटने के लिए बल का प्रयोग आवश्यक हो जाता है। लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका के उद्घाटन के अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि विकास केवल सुरक्षित वातावरण में ही फल–फूल सकता है और उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान के महत्व पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अहिंसा ही मानवता का सच्चा धर्म होना चाहिए। हालांकि, यदि कोई देश और समाज के लिए खतरा बन जाता है, तो अहिंसा काम नहीं कर सकती। ऐसी स्थिति में हिंसा आवश्यक हो जाती है। एक प्रसिद्ध संस्कृत वाक्य का हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने कहा, ष्अहिंसा परमो धर्मः, धर्म हिंसा तथावै चष, जिसका अर्थ है कि अहिंसा सर्वोच्च गुण है, लेकिन सत्य और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में बल का प्रयोग भी उतना ही उचित है। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की शक्ति ही विश्व में उसकी प्रतिष्ठा निर्धारित करती है। उन्होंने कहा कि जब हम सुरक्षा के मोर्चे पर मजबूत होंगे, तभी विश्व हमारा मित्र बनेगा। कमजोर के सामने कोई नहीं झुकता।

असम में ममता बनर्जी को झटका, टीएमसी प्रदेश अध्यक्ष का आरोप- 'पार्टी हिंदुओं की रक्षा में फेल हुई'

गुवाहटी (एजेंसी)। असम तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले अभिजीत मजूमदार ने आरोप लगाया है कि पार्टी ष्अपनी दूरदृष्टि खो चुकी हैष और ष्अब एक सांप्रदायिक संगठन बन गई है, जो सभी समुदायों के लिए खड़े होने के बजाय मुस्लिम वोट बैंक को लुभाने में लगी है।

मजूमदार ने शुक्रवार को टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को अपना इस्तीफा सौंपते हुए कहा कि वे दो दशकों से अधिक समय से असम में पार्टी से जुड़े रहे हैं और राज्य में इसके संस्थापक सदस्यों में से एक थे। मजूमदार ने कहा मैं शुरुआत से ही, बीस साल से अधिक समय से असम में टीएमसी के साथ था। मैं संस्थापक सदस्यों में से एक था। मैंने असम में टीएमसी को आगे बढ़ाने में मदद की। लेकिन आज, मुझे कहना होगा कि पार्टी अपनी दूरदृष्टि खो चुकी है। अब मैं जो देख रहा हूं वह एक सांप्रदायिक संगठन है, जो सभी समुदायों के लिए खड़े होने के बजाय मुस्लिम वोट बैंक को लुभाने में लगी है। शेरमन अली के मामले में, जिन्हें कई पार्टियों से निष्कासित किया गया था, वे चुनाव से कुछ ही दिन पहले टीएमसी में शामिल हुए और मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि टीएमसी खुद को भारत की पार्टी कहती है, लेकिन यह ममता बनर्जी द्वारा शासित बंगाल केंद्रित पार्टी है। प्रक्रियाओं में भी अनियमितताएं दिखती हैं। यह एक क्षेत्रीय पार्टी है और असम को दरकिनार कर दिया गया है। एक हिंदू बंगाली नेता के रूप में, मैंने अपने समुदाय की रक्षा और उन्हें आवाज देने के लिए अथक प्रयास किया है, लेकिन पार्टी के फैसले अब हमारे खिलाफ हैं। मेरा अंतरात्मा कहता है कि अब पार्टी छोड़ने का समय आ गया है। मजूमदार ने यह भी आरोप लगाया कि टीएमसी "सांप्रदायिक हो गई है, यह हिंदुओं की रक्षा करने में विफल रही है, और इसने उन आदर्शों को धोखा दिया है जिन पर हमने इसे बनाया था। मैंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

ज्ञानेश कुमार बोले- मतदाता सूची में 18 साल प्लस के ही लोग, एसआईआर सुप्रीम कोर्ट की जांच में भी खरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने शनिवार को कहा कि भारत के ऐसे सभी नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल किया जा रहा है, जिनकी आयु 18 वर्ष पूरी हो चुकी है। वहीं, जो लोग पात्र नहीं हैं उनके नाम

व्यवस्थित रूप से हटाए जा रहे हैं। इनमें मृत, दोहराए गए नाम वाले, अनुपस्थित, स्थानांतरित और विदेशी मतदाता शामिल हैं। ज्ञानेश कुमार केंद्रीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) न केवल सुप्रीम कोर्ट की जांच में खरा उतरा है, बल्कि इसने अपने सांविधानिक और कानूनी दायित्वों को पूरा करने में भी बड़ी सफलता हासिल की है। ज्ञानेश कुमार ने बताया कि यह विशेष गहन पुनरीक्षण सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के जिला एवं प्रदेश अध्यक्षों के साथ–साथ 15 लाख से अधिक बूथ–स्तर के एजेंटों की निगरानी में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्य को 11 लाख से अधिक बूथ–स्तर के अधिकारी, सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी और अन्य अधिकारी मिलकर पूरा कर रहे हैं।

सीमावर्ती इलाकों में डीएम और एसपी होंगे सक्रिय, घुसपैठिये–ड्रोन–नार्कों की पहचान करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात के भुज में भारत–पाकिस्तान सीमा (आईपीबी) से लगे क्षेत्रों एवं तटीय जिलों से जुड़े सुरक्षा संबंधी विषयों पर समीक्षा बैठक की है। इनमें उन्होंने कई अहम बातें कही हैं। उन्होंने सीमावर्ती इलाकों में डीएम और एसपी की सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका पर बल दिया है। वे अपने क्षेत्र में घुसपैठिये–ड्रोन–नार्को की पहचान करना सुनिश्चित करेंगे। हर जिले में एक सुरक्षा समन्वय समूह बनाया जाए, जिसमें बीएसएफ, तटरक्षक, इनकम टैक्स, ईडी और लीड बैंक के मैनेजर को शामिल किया जाए।

शाह ने कहा कि बॉर्डर फेंसिंग, समुद्री सीमा सुरक्षा और राज्य सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति से गुजरात के सुरक्षा परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है। राज्य में घुसपैठ तथा बॉर्डर पर तस्करी पूरी तरह बंद हो गई है। अंतरराष्ट्रीय सीमा के 0 से 15 किलोमीटर क्षेत्र में हर अनधिकृत अतिक्रमण के प्रति जीरो टॉलरेंस अप्रोच रखकर उसे समाप्त किया जाए। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में कट्टरपंथ के केंद्रों पर पैनी नजर रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

सीमावर्ती जिलों में डीएम को जनसांख्यिकी परिवर्तन की सख्त मॉनिटरिंग एवं नियमित रिपोर्टिंग करनी चाहिए। इन क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों के आने के कारण हो रहा रिवर्स माइग्रेशन स्वागत योग्य है। शाह ने कहा कि पहले से बसे घुसपैठियों को वापस भेजने के कार्य में पुलिस स्टेशन से लेकर पटवारी तक, सब एकजुट होकर आगे आएं। उन्होंने कहा कि हर सीमावर्ती जिले की चुनौतियों और जरूरतों के आधार पर स्थानीय प्रशासन एसओपी तैयार करे, जिसमें पहले से बसे घुसपैठियों, ड्रोन और नार्को की पहचान करना सुनिश्चित हो। शाह ने कहा कि इनकम टैक्स, मनी लॉन्ड्रिंग और कस्टम कानूनों के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी डीएम, एसपी और आईजी बॉर्डर रेंज की होनी चाहिए।

तुंगनाथ-चोपता में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से लखनऊ के दो सगे भाइयों की मौत, दो घायल

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में लोकप्रिय पर्यटन स्थल तुंगनाथ–चोपता में तेज अंधड़, बारिश और आकाशीय बिजली की चपेट में आने से उत्तर प्रदेश के लखनऊ निवासी दो सगे भाइयों की मृत्यु हो गयी जबकि उनके दो अन्य साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह

रजवार ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि शुक्रवार शाम तेज अंधड़, बारिश और खराब मौसम में पर्यटकों के तुंगनाथ–चोपता में फंसे होने की जानकारी मिली जिसके बाद तत्काल बचाव एवं राहत टीम को घटनास्थल की तरफ रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंचकर तेजी से राहत और बचाव का काम शुरू किया गया तथा तूफान से जूझते हुए गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को निकालकर एंबुलेंस के जरिए उखीमठ अस्पताल पहुंचाया गया। रजवार के मुताबिक, खराब मौसम के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आने से लखनऊ के दो सगे भाइयों – अभिनव वाजपेई (19) तथा उसके बड़े भाई अभिषेक वाजपेई (22) की मौत हो गयी।

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर तीखा तंज

विश्वगुरु हैं, लेकिन एक भी परीक्षा ठीक से नहीं करा सकते!

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश की शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से बर्बाद करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार खुद को विश्वगुरु बताते हुए भी एक भी परीक्षा ठीक से आयोजित करने में असमर्थ रही है। उनकी यह टिप्पणी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीईसीए) द्वारा यह बताए जाने के बाद आई है कि तकनीकी खराबी के कारण शनिवार को कुछ केंद्रों पर स्नातक डिग्री

कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित सीयूईटी–यूजी 2026 परीक्षा में देरी हुई।

एक्स पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि NEET, CBSE, SSC और आज CUETA चार परीक्षाएं। एक करोड़ छात्र। इनमें से एक भी परीक्षा ईमानदारी से नहीं कराई जा सकी। गांधी ने कहा कि खुद को 'विश्वगुरु' कहते हैं, लेकिन देश में एक भी परीक्षा कराने में असमर्थ हैं – मोदी जी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने प्रधानमंत्री पर हमला करते हुए कहा कि जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं, वही पीढ़ी आपको जवाबदेह ठहराएगी।

नीट पेपर लीक के पीछे शिक्षा माफिया का हाथ, सरकार नाकाम! : केजरीवाल

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नीट परीक्षा की प्रश्नपत्रों के परिवहन में वायुसेना के वाहनों का उपयोग करने के केंद्र सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए इसे दिखावा बताया, जिसमें लीक को रोकने का कोई वास्तविक इरादा नहीं था। केजरीवाल ने देश की शिक्षा प्रणाली पर माफिया का नियंत्रण होने का आरोप लगाया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा में पेपर लीक रोकने के

लिए वायुसेना के जहाजों का इस्तेमाल किया जाएगा। क्या इससे पेपर लीक रुकेंगे? हमारी सरकार अनपढ़ों की तरह बातें क्यों कर रही है? पेपर लीक रोकने का तो उनका कोई इरादा ही नहीं है।

सोनारपुर में अभिषेक बनर्जी पर हमला, चोर–चोर के लगे नारे

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी को शनिवार को सोनारपुर दौरे के दौरान स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। इस दौरान कुछ लोगों ने कथित

तौर पर उनके साथ धक्का–मुक्की और मारपीट की। अभिषेक बनर्जी के चुनाव के बाद हिंसा के पीड़ित परिवारों से मिलने के लिए आए थे। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा, यह सब भाजपा प्रायोजित है। देखिए इन्होंने क्या किया है। यही इनकी लोकतंत्र की मिसाल है। अभी एक महीना भी नहीं हुआ है और पुलिस कहीं नजर नहीं आ रही है। उन्होंने आगे कहा, वे मुझे मारना चाहते थे। पूरी घटना कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। हम इस मामले की जानकारी निश्चित रूप से हाईकोर्ट को देंगे। हम राज्यपाल को भी इसके बारे में अवगत कराएंगे।

सुनेत्रा अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी का हो सकता है अस्तित्व समाप्त : राउत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के राज्यसभा सांसद और मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने आज संकेत दिया कि राज्य की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी का अस्तित्व समाप्त हो सकता है या भाजपा में विलय हो सकता है। संजय राउत ने सुनेत्रा अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में चल रही अंदरूनी कलह की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "अजीत पवार द्वारा बनाई गई यह पार्टी भविष्य में अस्तित्व में नहीं रहेगी। अब छगन भुजबल, प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे, हसन मुश्रीफ और धनंजय मुंडे की चौकड़ी को अपने फैसलों पर पछतावा हो सकता है। शरद पवार से अलग करके अजीत पवार को भाजपा से जोड़ने के अपने फैसले पर उन्हें पछतावा हो सकता है।"

खबरों के मुताबिक, मंगलवार को हुई पार्टी की बैठक में सुनेत्रा अजीत पवार के नेता सुनील तटकरे और छगन भुजबल के बीच तीखी बहस हुई। यह भी बताया गया कि सुनेत्रा पवार के बेटे और पार्टी सांसद पार्थ पवार तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल के बीच भी तीखी नोकझोक हुई। पार्थ पवार और मंत्री भुजबल के बीच विवाद तब शुरू हुआ जब पार्थ पवार ने कथित तौर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा जारी राज्य स्तरीय परिवहन निविदा के संबंध में एक ठेकेदार को भुजबल के पास भेजा, लेकिन भुजबल ने पार्थ पवार की बात अनसुनी करते हुए ठेकेदार को तुरंत वापस भेज दिया।

प्रयागराज की राह में थम गई जिंदगी, अज्ञात वाहन की टक्कर से सर्राफा कारोबारी की मौत

प्रयागराज। प्रतापपुर–फूलपुर मार्ग पर शनिवार तड़के हुए एक भीषण सड़क हादसे में जौनपुर के सर्राफा व्यवसायी की जान चली गई। प्रयागराज जा रहे बाइक सवार कारोबारी को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रतापपुर–फूलपुर मार्ग पर शनिवार तड़के हुए एक भीषण सड़क हादसे में जौनपुर के सर्राफा व्यवसायी की जान चली गई। प्रयागराज जा रहे बाइक सवार कारोबारी को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान प्रेमशंकर वर्मा (56) पुत्र स्वर्गीय पन्नालाल वर्मा निवासी निगोह, थाना बरसठी जनपद जौनपुर के रूप में हुई है। वह निगोह बाजार में आभूषण का कारोबार करते थे। परिजनों के अनुसार प्रयागराज के छोटा बघाड़ा इलाके में उनका एक कमरा भी था, जहां वह व्यापारिक कार्यों के लिए नियमित रूप से आते–जाते थे। बताया कि शनिवार को भोर करीब तीन बजे प्रेमशंकर वर्मा अपने घर से बाइक लेकर प्रयागराज के लिए निकले थे। सुबह लगभग चार बजे जब वह फूलपुर थाना क्षेत्र के बौड़ई गांव के पास बर्जीबरा मौजा में पहुंचे तभी पीछे से आए किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह सड़क पर गिर पड़े और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची फूलपुर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस हादसे को अंजाम देने वाले वाहन की पहचान में जुटी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों समेत अन्य साक्ष्यों को खंगाला जा रहा है। मृतक प्रेमशंकर वर्मा के दो पुत्र अनूप वर्मा और तरुण वर्मा तथा दो पुत्रियों सहित भरा–पूरा परिवार हैं। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में चीख–पुकार मच गई।

पीड़िता–आरोपी शादी करके खुश हैं तो मुकदमा जारी रखना न्याय प्रक्रिया का दुरुपयोग

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपी और पीड़िता शादी करके सुखी जीवन जी रहे हैं तो मुकदमे को जारी रखना न्याय प्रक्रिया का दुरुपयोग होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपी और पीड़िता शादी करके सुखी जीवन जी रहे हैं तो मुकदमे को जारी रखना न्याय प्रक्रिया का दुरुपयोग होगी। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकल पीठ ने संभल निवासी युवक के खिलाफ ट्रायल कोर्ट में लंबित आपराधिक कार्यवाही और चार्जशीट रद्द करने का आदेश दिया है।

याची के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो के आरोप में एफआईआर दर्ज है। याची ने ट्रायल कोर्ट में लंबित मुकदमे की पूरी कार्यवाही रद्द करने की मांग में याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि याचिकाकर्ता और पीड़िता ने 22 अप्रैल 2022 को शादी कर ली थी, दो साल का एक बेटा है। याचिकाकर्ता और पीड़िता ने 28 अप्रैल 2026 को आपसी समझौता भी कर लिया था। कोर्ट ने पाया कि पीड़िता ने अपने बयान में किसी प्रकार के प्रलोभन या जबरदस्ती की बात नहीं कही है। वह अपनी मर्जी से याचिकाकर्ता संग रह रही है। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के.धंडापाणि बनाम तमिलनाडु राज्य और महेश मुकुंद पटेल बनाम उत्तर प्रदेश राज्य का हवाला दिया। कहा कि दोनों ने शादी कर ली और खुश हैं। इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता।

किशोर अपराध का रिकॉर्ड भविष्य में बाधा नहीं, हाईकोर्ट ने पासपोर्ट जारी करने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पासपोर्ट जारी करने के नियमों और किशोरों के अधिकारों को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ल की खंडपीठ ने स्पष्ट किया है कि किशोर अवस्था में दर्ज किसी मामले या दोषसिद्धि को पासपोर्ट जारी करने में कानूनी अड़चन नहीं बनाया जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पासपोर्ट जारी करने के नियमों और किशोरों के अधिकारों को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ल की खंडपीठ ने स्पष्ट किया है कि किशोर अवस्था में दर्ज किसी मामले या दोषसिद्धि को पासपोर्ट जारी करने में कानूनी अड़चन नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि किशोर न्याय अधिनियम के तहत ऐसे रिकॉर्ड को मिटाना अनिवार्य है, ताकि युवाओं को नई शुरुआत का अधिकार मिल सके।

यह मामला गोरखपुर निवासी मोहम्मद यूनुस अंसारी की याचिका से जुड़ा था, जिनका पासपोर्ट आवेदन क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी, लखनऊ ने एक पुराने आपराधिक मामले के आधार पर खारिज कर दिया था। याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि याचिकाकर्ता को वर्ष 2010 में, 16 वर्ष की आयु में, एक मामले में किशोर न्याय बोर्ड ने दोषी ठहराया गया था, लेकिन बोर्ड ने उसे सुधार हेतु परिवीक्षा (प्रोबेशन) पर रखा था, जिसे उसने सफलतापूर्वक पूरा कर लिया था।

कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद केंद्र सरकार और पासपोर्ट विभाग के रुख पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों ने अपने विवेक का प्रयोग नहीं किया। पीठ ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुसार विदेश यात्रा का अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा है। कोर्ट ने क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी को याची के आवेदन पर नए सिरे से विचार कर तत्काल पासपोर्ट जारी करने का निर्देश दिया है।

महिला अधिवक्ताओं से मारपीट करने के आरोपी डाक्टरों को किया जाए गिरफ्तार

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखा है। इसमें स्वरूप रानी चिकित्सालय में हुई घटना के संबंध में अधिवक्ता रिया खान की ओर से दर्ज एफआईआर के आधार पर नामजद डॉक्टरों की गिरफ्तार और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। वहीं, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने बार की गरिमा और अधिवक्ता समाज की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के आरोप में पांच अधिवक्ताओं की सदस्यता समाप्त कर दी है। शुक्रवार को बार के अध्यक्ष राकेश पांडे एवं महासचिव अखिलेश कुमार शर्मा के संयुक्त हस्ताक्षर से संबंधित अधिवक्ताओं को सूचना भेजी गई। कहा गया है कि संबंधित अधिवक्ताओं की ओर से सोशल मीडिया पर संगठन के पदाधिकारियों के विरुद्ध अमर्यादित, आपत्तिजनक एवं मानहानिकारक टिप्पणियां की गई थीं।

टीजीटी जीव विज्ञान भर्ती में 155 अभ्यर्थियों के आवेदन निरस्त, 3 जून तक कर सकेंगे अपील

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) परीक्षा–2025 के जीव विज्ञान विषय के करीब 155 अभ्यर्थियों के आवेदन निरस्त कर दिए हैं। आयोग ने अभ्यर्थियों को 3 जून की शाम पांच बजे तक अपील करने का अवसर दिया है। आयोग के अनुसचिव शैलेंद्र सिंह के अनुसार, आवेदन पत्रों के परीक्षण में विभिन्न प्रकार की त्रुटियां और पात्रता संबंधी कमियां पाई गईं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिन अभ्यर्थियों का अभ्यर्थन निरस्त किया गया है।

शंकरगढ़ में जल संकट: टैंकर आए या एक किलोमीटर दूर जाएं, पानी के लिए रोज होते हैं झगड़े

प्रयागराज। शंकरगढ़ में सिलिका सैंड तो चमकती है पर गर्मी में लोगों के चेहरे सूख जाते हैं। क्योंकि साल भर पानी का संकट रहता है। अप्रैल से जून तक ज्यादा भारी होता है। कोल बिरादरी की बस्ती आराजी गढ़वा में इन दिनों टैंकर एक बड़ा सहारा हैं, जिससे पानी भरने के लिए रोज झगड़े होते हैं। शंकरगढ़ में सिलिका सैंड तो चमकती है पर गर्मी में लोगों के चेहरे सूख जाते हैं। क्योंकि साल भर पानी का संकट रहता है। अप्रैल से जून तक ज्यादा भारी होता है। कोल बिरादरी की बस्ती आराजी गढ़वा में इन दिनों टैंकर एक बड़ा सहारा हैं, जिससे पानी भरने के लिए रोज झगड़े होते हैं।

करीब 100 साल पुरानी इस बस्ती के ज्यादातर निवासी सिलिका सैंड के वाशिंग प्लांट में काम करते है, कुछ खेत

मजदूर हैं। गांव के छोटकू ने बताया कि इस साल ज्यादा संकट है, जो पंद्रह दिनों से गहरा गया है। आशा देवी कहती हैं कि एक टंकी थी, जो टूट गई है। एक किमी दूर जाकर दूसरे स्थान से कई बार पानी लाना पड़ता है, कमर टूट जाती है। रोज लड़ाई होती है। ऐसे ही किस्से गांव के परदेशी व अन्य ने सुनाए।

प्यास बुझाने के लिए दूसरी जगह बिताते हैं रात

पानी की किल्लत की वजह से यहां के लोग जल प्रबंधन में ज्यादा माहिर हो गए हैं। लेकिन कभी–कभी दिक्कत हो जाती है। आशा देवी ने बताया कि अक्सर जब रात में पानी खत्म हो जाता है तो वे लोग जिस प्लांट में काम करते हैं, वहीं रात बिताने चले जाते हैं। वहां पानी की दिक्कत नहीं होती।

लोगों का पानी पी जाते हैं वाशिंग प्लांट

गाढ़ा कटरा के ग्राम प्रधान कामता सिंह का कहना है कि ग्राम पंचायत व आसपास सिलिका सैंड की सफाई के लिए कई वाशिंग प्लांट लगे हैं, जिससे जल दोहन अधिक होता है। यदि गर्मी में इसे रोक दिया जाए तो समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी।

गाढ़ा कटरा– एक नजर

गाढ़ा कटरा ग्राम पंचायत की आबादी करीब 5000

पानी के लिए 12 हैंडपंप, सोलर पंप, निजी–सरकारी बोर

गर्मी में वाटर लेवल 150 फीट के नीचे चला जाता है

इस समय सभी हैंड जल स्तर नीचे होने के कारण बंद

बारा तहसील से लगभग 12 किमी दूर शिवराज चौराहे से प्रतापपुर की ओर जाने वाले रास्ते पर ग्राम पंचायत गाढ़ा कटरा है। यहां की 150 घरों की कोल बस्ती में इन दिनों पानी की रही–सही व्यवस्था भी ध्वस्त हो गई है। टैंकर आते ही लोग डिब्बा लेकर भागते हैं। धक्का–मुक्की के बाद झगड़े शुरू हो जाते हैं।

बोर्ड परीक्षा में एआई कैमरों से निगरानी की तैयारी, मिला 25 करोड़ का बजट

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाओं को और पारदर्शी एवं नकलविहीन बनाने के लिए एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सिस्टम लागू करने की कवायद तेज हो गई है।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाओं को और पारदर्शी एवं नकलविहीन बनाने के लिए एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सिस्टम लागू करने की कवायद तेज हो गई है।

शासन ने इसके लिए 25 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध करा दी है। पिछले दो वर्षों में कंपनियों द्वारा निर्धारित बजट से लगभग दोगुनी राशि की मांग किए जाने के कारण टेंडर निरस्त करने पड़े थे। ऐसे में परिषद अब बजट बढ़ाने के प्रस्ताव पर मंथन कर रही है।

प्रदेश में यूपी बोर्ड से मान्यता प्राप्त 28,530 विद्यालय हैं। इसमें 2,820 राजकीय, 4,519 सहायता प्राप्त और 22,191 स्ववित्तपोषित विद्यालय शामिल हैं। वर्ष 2025 की बोर्ड परीक्षा के लिए 8,140 तथा वर्ष 2026 की परीक्षा के लिए 8,033 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। दोनों वर्षों में एआई कैमरे लगाने के लिए शासन ने 25–25 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया था लेकिन कंपनियों ने क्रमशः 47 करोड़ और 44 करोड़ रुपये की मांग कर दी। इसके चलते टेंडर प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। अब उम्मीद जताई जा रही है कि शासन बजट बढ़ा सकता है।

सूत्रों के अनुसार, टेंडर प्रक्रिया में केवल दो कंपनियों ने भाग लिया था। बजट और कंपनियों की मांग के बीच बड़े अंतर के कारण एआई कैमरों की स्थापना का प्रस्ताव लगातार अटकता रहा। अब परिषद नई रणनीति के साथ दोबारा टेंडर जारी करने की तैयारी कर रही है। एआई आधारित निगरानी व्यवस्था लागू होने पर यूपी बोर्ड परीक्षा देश की सबसे आधुनिक परीक्षा प्रणालियों में शामिल हो सकती है, जिससे नकल और अन्य अनियमितताओं पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

एआई कैमरों से मिलेगी रियल टाइम निगरानी

एआई आधारित कैमरे लागू होने के बाद प्रदेश भर के परीक्षा केंद्रों की निगरानी अत्याधुनिक तकनीक से की जा सकेगी। सीसीटीवी कैमरों को एआई सॉफ्टवेयर से जोड़ कर परीक्षा कक्षों में होने वाली गतिविधियों का स्वतः विश्लेषण किया जाएगा। किसी भी प्रकार की असामान्य हलचल, बार–बार स्थान परिवर्तन, समूह में बातचीत अथवा अन्य संदिग्ध गतिविधियों की पहचान होते ही सिस्टम तत्काल अलर्ट जारी करेगा। यह अलर्ट सीधे कंट्रोल रूम और संबंधित केंद्र व्यवस्थापकों तक पहुंचेगा, जिससे मौके पर तुरंत कार्रवाई संभव हो सकेगी। वर्तमान में उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज की परीक्षाएं एआई आधारित कैमरों की निगरानी में कराई जा रही हैं।

बोर्ड परीक्षाओं में एआई कैमरे लगाने के लिए दोबारा प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए नए सिरे से टेंडर जारी होंगे और कंपनियों की मांग के अनुसार आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी। पिछले वर्षों में कंपनियों द्वारा बजट से करीब दोगुनी राशि मांगे जाने के कारण टेंडर निरस्त करने पड़े थे। – भगवती सिंह, सचिव

पहले 25 रुपये ट्रांजेक्शन कराए फिर बैंक खाते से उड़ाए नौ लाख रुपये

प्रयागराज। फर्जी कस्टमर केयर कर्मचारी बनकर साइबर जालसाज ने कोरांव के ग्राम चिराव निवासी शिक्षिका शोखी गौतम से नौ लाख रुपये ठग लिए। पीड़िता ने साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

फर्जी कस्टमर केयर कर्मचारी बनकर साइबर जालसाज ने कोरांव के ग्राम चिराव निवासी शिक्षिका शोखी गौतम से नौ लाख रुपये ठग लिए। पीड़िता ने साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। आरोपी ने सर्विस चार्ज के नाम पर पहले 25 रुपये जमा करने के लिए कहा था।

शोखी जसरा गौहनिया स्थित स्कूल में सहायक अध्यापक हैं। वह नैनी के गंगोत्री नगर में किराये पर रहती हैं। पीड़िता के मुताबिक, 21 मई को उन्होंने गूगल पर सर्च कर उषा कंपनी के पंखे के कस्टमर केयर नंबर पर कॉल किया।

बातचीत के दौरान आरोपी कस्टमर केयर कर्मी ने व्हाट्सएप नंबर लिया और दूसरे नंबर से संपर्क कर कुछ फार्म भरवाए।

इसके बाद सर्विस चार्ज के नाम पर 25 रुपये जमा करने के लिए कहा। शोखी ने पहले पेटीएम से भुगतान करने की कोशिश की लेकिन असफल रहने पर एटीएम कार्ड के माध्यम से रुपये ट्रांसफर कर दिए। आरोपी ने भरोसा दिलाया कि अगले दिन तकनीशियन आएगा।

पीड़िता के अनुसार, 22 मई की दोपहर करीब दो से 2रु40 बजे के बीच उनके पंजाब नेशनल बैंक खाते से आरटीजीएस और आईएमपीएस के माध्यम से चार बार में नौ लाख रुपये निकल गए। एसएमएस आने पर उन्होंने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। साथ ही साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कराकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और रकम वापस दिलाने की मांग की है।

चोरी हुए मोबाइल से निकाले 3.75 लाख रुपये

चोरी हुए मोबाइल से बदमाश ने कटियारी चकिया निवासी जमुना सिंह के खाते से 3.75 लाख निकाल लिए। पीड़ित को मामले की जानकारी तब हुई जब वह घर में शादी के खर्च के लिए बैंक से पैसे निकालने पहुंचा। साइबर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

सरायइनायत थाना क्षेत्र के कटियारी चकिया निवासी जमुना ने पुलिस को बताया कि उनका और पत्नी सुशीला का हनुमानगंज में भारतीय स्टेट बैंक में संयुक्त खाता है। करीब तीन वर्ष पहले कीपैड वाला मोबाइल चोरी हो गया था। कानूनी जानकारी के अभाव में उन्होंने इसकी शिकायत दर्ज नहीं कराई।

आरोप है कि चोरी हुए मोबाइल और उसमें लगे सिम का दुरुपयोग करते हुए बदमाश ने बैंक से साठगांठ कर यूपीआई, गूगलपे और फोनपे जैसी सेवाएं सक्रिय करा लीं। इसके बाद 14 मार्च 2025 से 14 मई 2026 के बीच 3.75 लाख रुपये निकाल लिए गए।

पुणे और बंगलूरू के लिए जल्द मिलेगी सीधी ट्रेन, एनसीआर ने भेजा प्रस्ताव

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) प्रशासन ने पुणे और बंगलूरू के लिए प्रयागराज से सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने का प्रस्ताव तैयार किया है। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) प्रशासन ने पुणे और बंगलूरू के लिए प्रयागराज से सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इस संबंध में एनसीआर ने रेलवे पश्चिम मध्य रेलवे, मध्य रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे को ट्रेन की टाइमिंग निर्धारण और फिजिबिलिटी के लिए पत्र भेज दिया है। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही प्रयागराज से इन शहरों के लिए सीधी ट्रेनें पटरियों पर दौड़ती नजर आएंगी।

हालांकि, कुछ ट्रेनें यहां से गुजरती हैं लेकिन उनमें प्रयागराज के यात्रियों के लिए बर्थ का कोटा बेहद सीमित होता है। संगम नगरी से शिक्षा, आईटी सेक्टर और व्यापार के सिलसिले में बड़ी संख्या में लोगों का रोजाना पुणे और बंगलूरू के लिए आवागमन होता है। इस समस्या को देखते हुए फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल ने हाल ही में जोनल रेलवे उपभोक्ता उपभोक्ता परामर्शदात्री समिति (जेडआरयूसीसी) की बैठक से पहले उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन को प्रस्ताव सौंपा था। उन्होंने जनता की सहूलियत के लिए सीधी ट्रेनें चलाने की वकालत की थी।

यात्रियों के बढ़ते दबाव को देखते हुए प्रयागराज–अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन को सप्ताह में एक की जगह तीन दिन चलाने की तैयारी है। एनसीआर प्रशासन ने पश्चिम रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे को इस संबंध में पत्र भेजा है। रेलवे सूत्रों का कहना है कि अन्य जोनल रेलवे से हरी झंडी मिलते ही नई ट्रेनों की समय सारिणी और संचालन की तारीखों की घोषणा कर दी जाएगी।

हाईकोर्ट ने दिगंबर जैन महाविद्यालय में 22 सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति को माना वैध

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बागपत के बड़ौत स्थित दिगंबर जैन महाविद्यालय में 22 सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति प्रक्रिया को वैध ठहराते हुए चयनित अभ्यर्थियों के पक्ष में फैसला दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बागपत के बड़ौत स्थित दिगंबर जैन महाविद्यालय में 22 सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति प्रक्रिया को वैध ठहराते हुए चयनित अभ्यर्थियों के पक्ष में फैसला दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने सुनील कुमार जैन समेत तीन की याचिकाओं पर दिया। महाविद्यालय में अगस्त 2023 में 22 रिक्त पदों के लिए विज्ञापन जारी किए गए थे। इसी दौरान 21 अगस्त 2023 को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम, 2023 लागू हो गया। कोर्ट के सामने मुख्य सवाल यह था कि भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत विज्ञापन जारी होने की तारीख से मानी जाएगी या नियुक्ति की अनुमति मिलने की तारीख से। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के तेज प्रकाश पाठक बनाम राजस्थान हाईकोर्ट (2025) फैसले का हवाला देते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया विज्ञापन जारी होने के साथ शुरू हो जाती है। विज्ञापन आठ और 12 अगस्त 2023 को प्रकाशित हुए थे, इसलिए नई कानून व्यवस्था का इस भर्ती पर असर नहीं पड़ेगा। कोर्ट ने सुनील कुमार जैन की याचिका खारिज कर दी और कहा कि चयनित अभ्यर्थियों को पक्षकार न बनाना बड़ी कमी थी।

उच्च शिक्षा विभाग में ऑनलाइन स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू, 91 शिक्षकों के तबादले

प्रयागराज। उच्च शिक्षा विभाग में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर एवं प्रोफेसर संवर्ग के शिक्षकों की ऑनलाइन स्थानांतरण प्रक्रिया का शुभारंभ शुक्रवार को उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने किया। पोर्टल के माध्यम से 91 शिक्षकों के स्थानांतरण किए गए। उच्च शिक्षा विभाग में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर एवं प्रोफेसर संवर्ग के शिक्षकों की ऑनलाइन स्थानांतरण प्रक्रिया का शुभारंभ शुक्रवार को उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने किया। पोर्टल के माध्यम से 91 शिक्षकों के स्थानांतरण किए गए। प्रक्रिया के तहत राजकीय महाविद्यालयों में कार्यरत 193 शिक्षकों ने आवेदन किया था। इनमें 116 आवेदनों को प्राचार्यों ने अनुमोदित किया, जबकि 70 आवेदन अपूर्ण पाए जाने पर निरस्त कर दिए गए।

परीक्षण और अनुमोदन की समस्त प्रक्रिया पूरी होने के बाद ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 91 शिक्षकों के स्थानांतरण किए गए। प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित शिक्षकों को एसएमएस के माध्यम से सूचना भेजी गई। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, तकनीक आधारित इस व्यवस्था से स्थानांतरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और सुगम बनी है। शिक्षकों ने मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऑनलाइन प्रणाली से अनावश्यक जटिलताओं में कमी आई है।

रेलवे भर्तियों के परिणाम लटके, नए भर्ती कैलेंडर पर भी संकट के बादल

प्रयागराज। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की कार्यप्रणाली से देशभर के लाखों परीक्षार्थी परेशान हैं। रेलवे की पांच बड़ी और महत्वपूर्ण भर्तियों के परिणाम लंबे समय से अधर में लटके हुए हैं। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की कार्यप्रणाली से देशभर के लाखों परीक्षार्थी परेशान हैं। रेलवे की पांच बड़ी और महत्वपूर्ण भर्तियों के परिणाम लंबे समय से अधर में लटके हुए हैं। इनमें आरआरबी लेवल–वन (ग्रुप डी)– 2024, एनटीपीसी 2025 (सीबीटी–एक), तकनीशियन ग्रेड–तीन 2025, पैरामेडिकल 2025 और एनटीपीसी स्नातक 2025 (सीबीटी–एक) के लंबित परिणाम शामिल हैं। वहीं दूसरी तरफ 2026 के वार्षिक भर्ती कैलेंडर के अनुसार नई भर्तियां भी पाइपलाइन में हैं। तय कार्यक्रम के मुताबिक जून में तकनीशियन, जुलाई से सितंबर के बीच जूनियर इंजीनियर व पैरामेडिकल, अगस्त में एनटीपीसी और आखिरी तिमाही में ग्रुप डी की नई भर्तियां प्रस्तावित हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि जब पुरानी भर्तियां ही पूरी नहीं होंगी तो नए कैलेंडर के अनुसार परीक्षा, परिणाम और अन्य कार्य संभव नहीं है। वहीं आरआरबी प्रयागराज प्रशासन ने परीक्षा परिणाम जारी करने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

बिना सुनवाई एटीवीएम फैसिलिटेटर का चयन रद्द करना ठीक नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर मध्य रेलवे की ओर एटीवीएम फैसिलिटेटर रोहित सोनी का चयन बिना सुनवाई के निरस्त किए जाने के मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर मध्य रेलवे की ओर एटीवीएम फैसिलिटेटर रोहित सोनी का चयन बिना सुनवाई के निरस्त किए जाने के मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि यदि किसी प्रशासनिक आदेश से संबंधित व्यक्ति की छवि प्रभावित होती है या उस पर कलंक लगता है, तो आदेश पारित करने से पहले उसे सुनवाई का अवसर देना आवश्यक है। न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने रोहित सोनी की याचिका का निस्तारण करते हुए यह आदेश दिया। याची अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि 27 अप्रैल 2026 को सहायक वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, नॉर्थ सेंट्रल रेलवे ने बिना कारण बताओ नोटिस जारी किए और बिना पक्ष सुने उनका अनुबंध तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया तथा 50 हजार रुपये की सुरक्षा धनराशि भी जब्त कर ली।

संक्षिप्त

बीकेटी अस्पताल में सफाई कर्मियों का प्रदर्शन, सीएमएस पर अभद्र व्यवहार का आरोप

लखनऊ (संवाददाता)। बीकेटी स्थित राम सागर मिश्र अस्पताल में शनिवार को सफाई कर्मियों और अस्पताल प्रबंधन के बीच विवाद गहरा गया। सीएमएस पर अभद्र व्यवहार का आरोप लगाते हुए 21 सफाई कर्मियों ने कामकाज बंद कर दिया और इमरजेंसी के बाहर धरने पर बैठ गए। सफाई कर्मियों का आरोप है कि अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) द्वारा उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। इसी के विरोध में उन्होंने अस्पताल की सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप कर दी। कर्मचारियों ने यह भी बताया कि सुपरवाइजर समेत कई सफाई कर्मियों को अस्पताल से बाहर कर दिया गया है, जिससे उनमें भारी आक्रोश है। वे न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। धरने पर बैठे कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें सम्मान देने के बजाय अपमानित और प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। धरना–प्रदर्शन के चलते अस्पताल की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो गई है। कई स्थानों पर साफ–सफाई का काम ठप पड़ गया है। कर्मचारियों ने मामले में उचित कार्रवाई और सम्मानजनक व्यवहार की मांग की है। वहीं अस्पताल प्रशासन की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

बिजनौर रजिस्ट्री ऑफिस में सर्वर ठप,वकीलों ने उप निबंधक कार्यालय का शटर गिराकर किया विरोध

लखनऊ (संवाददाता)। सरोजनीनगर स्थित बिजनौर उप निबंधक कार्यालय में शनिवार को सर्वर पूरी तरह ठप हो गया, जिससे रजिस्ट्री संबंधी सभी कार्य बाधित हो गए। इससे नाराज वकीलों ने ऑफिस का आधा शटर गिराकर कामकाज बंद करा दिया और विरोध प्रदर्शन किया। सर्वर की समस्या के कारण कार्यालय मेंअफरा–तफरी का माहौल रहा। रजिस्ट्री कराने पहुंचे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बताया गया कि बीते गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे से ही सर्वर में तकनीकी दिक्कतें आ रही थीं, जिससे रजिस्ट्री से जुड़े कार्य प्रभावित हो रहे थे। शनिवार सुबह सर्वर पूरी तरह बंद हो जाने के बाद स्थिति और गंभीर हो गई। इससे कार्यालय में दस्तावेजों के पंजीकरण सहित सभी जरुरी काम रुक गए। वकीलों ने विभागीय अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सर्वर की यह समस्या कोई नई बात नहीं है। लंबे समय से तकनीकी खामियों के कारण कार्य प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन अब तक इसका कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। वकीलों के अनुसार, बार–बार सर्वर ठप होने से वकीलों के साथ–साथ आम नागरिकों का भी समय और धन बर्बाद हो रहा है। वकीलों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। वहीं, रजिस्ट्री कराने आए लोगों ने शासन–प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

26 एआरटीओ के ट्रांसफर, लखनऊ समेत 9 जिलों के आरटीओ बदले

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग में शनिवार को ब्यूरोक्रेसी में उस वक्त हलचल मच गई, जब परिवहन विभाग ने 26 एआरटीओ यानी सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों और 9 आरटीओ यानी संभागीय परिवहन अधिकारियों के तबादले कर दिए। दरअसल, परिवहन विभाग के विशेष सचिव के.पी. सिंह के आदेश से प्रवर्तन और प्रशासन विंग के कई अधिकारियों की पोस्टिंग में बड़े बदलाव किए गए हैं। यह फेरबदल प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और विभिन्न जिलों में लंबे समय से चली आ रही रिक्तियों को भरने के उद्देश्य से किया गया है। वहीं सबसे चर्चित बदलाव लखनऊ और आगरा में देखने को मिला। आगरा के आरटीओ (प्रशासन) अरुण कुमार वाष्णेय को राजधानी लखनऊ का नया आरटीओ (प्रशासन) बनाया गया है। लखनऊ के मौजूदा आरटीओ (प्रशासन) संजय कुमार तिवारी को आगरा भेज दिया गया। साथ ही लखनऊ परिक्षेत्र के एआरटीओ (प्राविधिक) हिमांशु जैन को अब एआरटीओ (प्रशासन) विस्तार पटल, देवा रोड, लखनऊ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अयोध्या में भी महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। अयोध्या के आरटीओ (प्रवर्तन) विश्वजीत प्रताप सिंह को वहीं आरटीओ (प्रशासन) की जिम्मेदारी दे दी गई। जबकि गोरखपुर के आरटीओ (प्रवर्तन) संजय कुमार झा को अयोध्या का नया आरटीओ (प्रवर्तन) बनाया गया है। इसके अलावा अयोध्या की आरटीओ (प्रशासन) ऋतु सिंह को परिवहन आयुक्त मुख्यालय में सहायक परिवहन आयुक्त (सड़क सुरक्षा,प्रदूषण नियंत्रण) के अहम पद पर तैनात किया गया है। उनकी जगह मुख्यालय के दिनेश कुमार को आरटीओ (प्रवर्तन) अलीगढ़ भेजा गया। गाजियाबाद में प्रवर्तन द्वितीय दल के एआरटीओ मनोज कुमार मिश्रा को गौतमबुद्धनगर, कानपुर देहात की एआरटीओ संगीता यादव को कानपुर नगर, मिर्जापुर से एआरटीओ विजय प्रकाश सिंह को प्रयागराज भेजा गया है। इसके अलावा श्रावस्ती के एआरटीओ (प्रशासन) विनीत कुमार मिश्र को गाजियाबाद (प्रवर्तन चतुर्थ दल) और बाराबंकी की एआरटीओ (प्रशासन) अंकिता शुक्ला को गाजियाबाद (प्रवर्तन द्वितीय दल) की पोस्टिंग दी गई। बताते चलें कि कानपुर नगर, प्रयागराज, मिर्जापुर, श्रावस्ती, बाराबंकी, प्रतापगढ़, बिजनौर, शामली, एटा, मैनपुरी, कुशीनगर और फतेहपुर समेत कई जिलों में नई तैनातियां हुई हैं। ऐसे में परिवहन विभाग के इस बड़े रीशफल से उम्मीद की जा रही है कि प्रवर्तन कार्यों में नई तेजी आएगी और यातायात प्रबंधन बेहतर होगा। विभाग के सूत्रों के अनुसार ये तबादले लंबे समय से लंबित थे और अब इन्हें अमल में लाकर प्रशासनिक व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त करने का प्रयास किया गया है। नए अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों को जल्द संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

डे केयर में खेलते समय 8 साल के बच्चे पर गिरा 4 क्विंटल का गेट मौके पर मौत

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सरकारी बचपन डे केयर सेंटर में 8 साल के बच्चे की गेट से दबकर मौत हो गई। वह अपने भाई–बहनों के साथ खेल रहा था। तभी करीब 4 क्विंटल से ज्यादा वजन का जर्जर गेट उसके ऊपर गिर गया। ये देख दूसरे बच्चे रोने–चिल्लाने लगे। बच्चे को बचाने दौड़े लोग जब तक में गेट हटा पाते तब तक मासूम की सांसें थम चुकी थीं। बच्चे की पहचान बहराइच के बंजारी मोड़ धन्नीपुर के विक्रम कश्यप के बेटे शिवा के रूप में हुई। मां उसके शव को चादर पर रखकर रोने लगीं। बोलीं छुट्टी पर नानी के यहां आया था। अब कभी नहीं लौटेगा। बच्चे के मामा का आरोप है कि डे केयर का गेट काफी जर्जर था, जिससे हादसा हुआ। घटना महानगर थाना क्षेत्र स्थित निशातगंज की है। वहां मौजूद लोगों ने गेट हटाने का प्रयास किया लेकिन वजन ज्यादा होने की वजह से गेट उठाया नहीं जा सका। ऐसे में बच्चा काफी देर तक गेट के नीचे दबा रहा।

200वें हिंदी पत्रकारिता दिवस पर वरिष्ठ पत्रकार प्रसून शुक्ला को सम्मानित करते राज्य सभा सांसद तेजवीर सिंह एवं उपज जिला अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल एवं सम्मान

उपज ने मनाया 200वां हिंदी पत्रकारिता दिवस

लोकतंत्र में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिकाः सांसद तेजवीर सिंह चौधरी

मथुरा। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) मथुरा के तत्वावधान में शनिवार को 200वां हिंदी पत्रकारिता दिवस, विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन एक स्थानीय होटल में किया गया। कार्यक्रम में हिंदी पत्रकारिता के गौरवशाली 200 वर्षों के इतिहास, वर्तमान चुनौतियों और लोकतंत्र में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम में आयोजक एवं उपज जिलाध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल ने मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह चौधरी, विशिष्ट अतिथि बलदेव विधायक पूरन प्रकाश, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. प्रसून शुक्ला, उपज प्रदेश महामंत्री आनंद कर्ण, बलदेव ब्लॉक प्रमुख प्रतीक भरंगर, प्रदेश कोषाध्यक्ष बालमुकुंद तिवारी सहित अन्य अतिथियों का पटुका ओढ़ाकर एवं राधा–कृष्ण का छायाचित्र भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह चौधरी द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा

कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जो समाज को जागरूक करने, जनसमस्याओं को उठाने और शासन–प्रशासन को जनता के प्रति जवाबदेह बनाने का महत्वपूर्ण कार्य करता है।

विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने हिंदी पत्रकारिता की दो सौ वर्षों की गौरवशाली यात्रा को याद करते हुए पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, डिजिटल युग की चुनौतियों तथा निष्पक्ष एवं जनहितकारी पत्रकारिता की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। साथ ही पत्रकारों के मानदेय, सुरक्षा एवं अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर भी गंभीरता से प्रकाश डाला गया।

समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों एवं समाजसेवियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार सी. पी. सिकरवार, हेमंत अग्र हरि,विजय सिंघल, अनुज उपमन्यु, ऋषि पंडित, कन्हैया लाल स्वीटी सुपारी, डॉ अशोक अग्रवाल सहित जिले भर के पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन केशवानंद त्रिपाठी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन उपज के कोषाध्यक्ष विपिन अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा व्यक्त किया गया। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

आईआईटी जैम 2026 में ईसीसी के छात्रों ने रचा कीर्तिमान

प्रयागराज। ईविंग क्रिश्चियन कॉलेज में वनस्पति शास्त्र विभाग एवं सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में आईआईटी जैम 2026 (बायोटेक्नोलॉजी) परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता अर्जित करने वाले छात्रों के सम्मान में एक समारोह आयोजित किया गया। आईआईटी जैम 2026 में सफ़लता हासिल कर कीर्तिमान बनाने वाली छात्राओं आभा चौरसिया, कृतिका मिश्रा और आकर्षिका पांडेय को एक समारोह में मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन छात्रों की उपलब्धि ने महाविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को नई ऊँचाई प्रदान की।

समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. एम. पी. सिंह, वरिष्ठ प्रोफेसर एवं पूर्व अध्यक्ष सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी, इलाहाबाद विवि ने छात्रों को सम्मानित करते हुए कहा कि ईसीसी बायोटेक्नोलॉजी के छात्र लगातार नई ऊँचाइयों को छू रहे हैं और देशभर के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों तथा आईआईटी में प्रवेश प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र अपने मेहनती, पेशेवर रूप से दक्ष और अद्यतन शिक्षकों के माध्यम से छात्रों को उत्कृष्ट ज्ञान प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इस अवसर पर डॉ. संजय मिश्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, बोटेनिकल सर्वे ऑफ इंडिया एवं ईसीसी के पूर्व छात्र ने कहा कि ईसीसी का हिस्सा होना

अपने आप में एक मजबूत पहचान और सशक्त शैक्षणिक आधार प्रदान करता है।

डॉ. नेहा पांडेय, सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज ने छात्रों की मेहनत और संकाय की निष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि यह विभाग के उत्थान और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण की संयुक्त पहल है।

श्री जेवियर कुंचेरिया, सहायक आचार्य ने छात्रों की ईमानदारी, नियमितता और अध्ययन के प्रति समर्पण की प्रशंसा की तथा उनकी सफलता यात्रा को सराहा।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एस. के. मिश्रा, विभागाध्यक्ष, वनस्पति शास्त्र विभाग एवं सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी ने छात्रों और दोनों विभागों के शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि दोनों विभाग निरंतर स्वयं को उन्नत करते रहेंगे ताकि छात्र वैज्ञानिक दृष्टि से सक्षम बनें और नए भारत के वैज्ञानिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

कार्यक्रम के अंत में सेंटर के स्टाफ सदस्य श्रीमती जे. पी. निगम, ईआर. ए. डब्ल्यू. सिंह और डॉ. पी. पाल ने सफल छात्रों की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ विदाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि ईसीसी की समृद्ध शैक्षणिक परंपरा, समर्पित शिक्षकों की अथक साधना और छात्रों की अदम्य लगन का प्रखर प्रमाण है।

लोकपाल को कागजी शेर से निर्णायक संस्था बनाएंः प्रतापगढ़ लोकपाल ने सरकार को भेजा 7 सूत्रीय सशक्तिकरण प्रस्ताव

प्रतापगढ़। विकसित भारत–जी–राम–जी के तहत लोकपाल संस्था को सशक्त बनाने के लिए प्रतापगढ़ के लोकपाल मनरेगा एवं सामाजिक कार्यकर्ता 'समाज शेखर प्राण' ने ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार को '7 सूत्रीय समेकित प्रस्ताव' भेजा है। यह मेल 'suggestion-vbgramg@gov.in' पर 29/30 मई 2026 को भेजा गया, जिसकी 'Cc jsre&mord@gov.in' को भी की गई।

क्या है 7 सूत्रीय सुझाव?

प्रस्ताव में लोकपाल को कागजी शेर से निर्णायक संस्था बनाने के लिए ये प्रमुख मांगें रखी गई हैंः

1. कार्यकाल सुरक्षाः अल्प कार्यकाल की जगह '5–5 साल के 2 पूर्ण कार्यकाल' और नई नियुक्ति तक पद खाली न रखने की मांग।

2. सम्मानजनक मानदेयः राज्य के प्रथम श्रेणी अधिकारी के बराबर वेतन या '5000 प्रति बैठक फीस'। साथ ही '20 बैठक/माह की सीमा हटाकर हर कार्यदिवस में बैठक' का अधिकार।

3. स्वायत्तताः लोकपाल को 'आयोग/बोर्ड का दर्जा' देकर 'स्वतंत्र ।नजवदवउवने ठवकल' बनाने, जिला प्रशासन पर निर्भरता खत्म करने और 'स्वयं का जांच कैडर व अनुशासनिक शक्ति' देने की मांग।

4. क्षेत्राधिकार विस्तारः मनरेगा–च्ड ।ल्–ळ से बढ़ाकर 'छत्स्ड, च्डळैल्ै ठड–ळ समेत ग्रामीण विकास की सभी योजनाएं लोकपाल के दायरे में लाई जाएं। पदनाम 'ष्लोकपाल ग्रामीण विकासष' किया जाए।

5. केंद्र के अधीन पूर्ण स्वतंत्रताः लोकपाल की सेवा शर्तें, हटाने की प्रक्रिया व अपील 'केवल भारत सरकार' के अधीन हो। 'राज्य सरकार के हस्तक्षेप से पूरी तरह मुक्त' रखा जाए।

6. बुनियादी ढांचाः हर लोकपाल कार्यालय को 'पूर्णकालिक लिपिक, जांच अधिकारी, वाहन' दिए जाएं। ज।/व। की जगह सम्मानजनक मानदेय हो।

7. औचित्यः प्रस्ताव में कहा गया कि 'संसाधन–संपन्न व कार्यकाल–सुरक्षित' हुए बिना लोकपाल न्याय नहीं दे सकता।

क्यों जरूरी है यह प्रस्ताव?'

समाज शेखर ने अपने पत्र में लिखा कि वर्तमान में लोकपाल संस्था 'संसाधन, अधिकार और कार्यकाल की कमी' से जूझ रही है। कागजी शेर बनकर रह गई संस्था से मनरेगा में पारदर्शिता लाना संभव नहीं। टठ–ळत ।ड–ळ की सफलता के लिए 'जमीन पर निर्णायक भूमिका निभाने वाला लोकपाल' चाहिए।

बकुलाही नदी और भयहरणनाथ धाम से जुड़ाव'

समाज शेखर बकुलाही नदी पुनरुद्धार अभियान और भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान से भी जुड़े हैं। जिला भू गर्भ जल परिषद में नामित सदस्य के रूप में सक्रिय भूमिका निभाते है। उन्होंने बताया कि प्रतापगढ़ सहित उत्तर प्रदेश के लगभग 51 जिले पिछले 15 मार्च से रिक्त है, वजह है कि विकसित भारत – जी राम जी योजना की गाईड लाइन तय नही थी जिससे रिन्यूअल की प्रक्रिया शुरू नही हो सकी। अब भारत सरकार द्वारा गाइड लाइन पर सुझाव मांगे गए है। गाइड लाइन बनने के बाद ही उम्मीद है कि जल्द उत्तर प्रदेश के रिक्त जनपदों में रिन्यूअल की प्रक्रिया पूरी करके लोकपाल क्रियाशील होंगे ।

उन्होंने कहा कि न्याय के लिए आदि काल से परम्परागत भारतीय समाज लोकपाल जैसी सशक्त संस्था पर निर्भर रहा हैं। सच्चाई और ईमानदारी हमारी लोक संस्कृति रही है जिसे हमारे ही वर्तमान जीवन मूल्यों ने संकट में डाल दिया है। पौराणिक आख्यान से प्रतापगढ़ की पवित्र धरती का संबन्ध महारानी मदालसा व राजा अलर्क सहित उनके चार ४ बैरागी पुत्रो तथा काशीराज की सिद्धता के लिए जाना जाता है, यहाँ स्थित (पंच सिद्ध धाम) उनके त्याग और वैराग्य की अमर गौरव गाथा पुरातन काल से गाते रहे है।

मोगरा उसको कहते

(कुण्डलिया)

आशा निष्ठा साथ में, शुचिता प्रेम प्रतीक।
दिखे सभी इक फूल में, लगता जो रमणीय।
लगता जो रमणीय, मोगरा उसको कहते।
नारी का श्रृंगार, हमेशा हँस कर करते।
सुन लो कहें प्रदीप, खुशी की बन प्रत्याशा।
सबके दिल की बनी, मधुर नव जीवन–आशा।।

जिसके अंतस में सदा, खुशबू करे प्रवास।
सुन्दर सफेद फूल वह, लगे सभी को ख़ास।
लगे सभी को ख़ास, कृष्ण से जिसका नाता।
महफ़िल की बन जान, मोगरा सबको भाता।
सुन लो कहें प्रदीप, जानिएँ हर गुण उसके।
भक्ति भाव के साथ, प्रेम अंतस में जिसके।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

राजनीति में शून्य करने की चाल समझ चुका है कायस्थ समाज

लखनऊ (संवाददाता)। क्या कायस्थ राजनीतिक दलों की गुलामी करना ही पसंद करेंगे या अपनी कोई पहचान और हैसियत बनायेंगे। कहावत है कि हक मांगने से नही छीनने से मिलता है लेकिन हम इससे थोड़ा इतर सोचते हैं। हम मानते हैं कि छीनने के चक्कर में पड़ने के बजाय अपनी इतनी ताकत बढ़ा लो कि लोग खुद–ब–खुद आपके लिए जगह खाली करने को मजबूर हो जाये। सियासत ऐसा क्षेत्र है जिसमें एंट्री बहुत जरुरी है। समाज की तरक्की के लिए राजनीति में हिस्सेदारी जरूरी है। यह उदगार व्यक्त करते हुए चित्रगुप्त कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं राजद के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार श्रीवास्तव अंगारा ने कहा कि कायस्थ समाज प्रबुद्ध वर्ग माना जाता है लेकिन राजनीति में उसे जायज भागीदारी प्राप्त नहीं है।हमारे समाज ने देश को प्रथम राष्ट्रपति दिया तो प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री भी दिया। इन राजनीतिज्ञों ने अपनी उपयोगिता साबित भी की है, सब उनके सिद्धांत और नीतियों को सराहा है।बावजूद इसके हमारे समाज को समुचित भागीदारी नही मिल पाई है।जब हमारा समाज प्रबुद्ध माना जाता है तो अवसर क्यों नही? मुझे भी कायस्थ कुल मे जन्म और चित्रगुप्त की संतान होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, इसलिए अपने समाज की चिंता लाजमी है।टुकड़ों में बंटोगे तो ऐसे ही हाशिये पर रहोगे, यह कड़वा सच है, इसे जितनी जल्दी हो सके समझ लो,वर्ना अपनी भावी पीढ़ी को निराशा सौप कर जाओगे। कायस्थ समाज की हालत आज मुरझाये वृक्ष जैसी हो गई है।

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों की कम संख्या के कारण निम्नलिखित **ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों** के निरस्तीकरण का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.	कहाँ से	कहाँ तक	आवृत्ति	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
01043	लोकमान्य तिलक (ट.)	समस्तीपुर जं.	मंगलवार	30.06.26, 07.07.26, 14.07.2026
01044	समस्तीपुर जं.	लोकमान्य तिलक (ट.)	बुधवार	02.07.26, 09.07.26, 16.07.2026
01073	लोकमान्य तिलक (ट.)	बनारस	बुध.,गुरु.	08.07.26, 09.07.26, 15.07.2026
01074	बनारस	लोकमान्य तिलक (ट.)	शुक्र.,शनि.	10.07.26, 11.07.26, 17.07.2026
01143	लोकमान्य तिलक (ट.)	दानापुर	प्रतिदिन	01.07.2026 से 15.07.2026
01144	दानापुर	लोकमान्य तिलक (ट.)	प्रतिदिन	02.07.2026 से 16.07.2026

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile Aap या वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1218/26(MG)

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि झाँसी मण्डल के खैरार-भीमसेन सेक्शन के खैरार, इचौली एवं अकोना स्टेशनों के मध्य नॉन इंटरलाकिंग कार्य के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, शार्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन, रेग्युलेशन एवं रिशेड्यूलिंग का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
14109	चित्रकूटधाम कर्वी-कानपुर सैंट्रल	18.06.2026 से 19.06.2026
14110	कानपुर सैंट्रल-चित्रकूटधाम कर्वी	18.06.2026 से 19.06.2026
64601	मानिकपुर-कानपुर सैंट्रल	18.06.2026 से 19.06.2026
64602	कानपुर सैंट्रल-मानिकपुर	18.06.2026 से 19.06.2026
64645	खजुराहो-कानपुर सैंट्रल	18.06.2026 से 20.06.2026
64646	कानपुर सैंट्रल-खजुराहो	17.06.2026 से 19.06.2026
11802	प्रयागराज जं.-ग्वालियर	19.06.2026 से 20.06.2026
11801	ग्वालियर-प्रयागराज जं.	18.06.2026 से 19.06.2026
64611	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-मानिकपुर	19.06.2026
64612	मानिकपुर-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	20.06.2026

रेलगाड़ियों का शार्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	शॉर्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
64613	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बाँदा	महोबा जं.	18.06.2026 से 19.06.2026
64614	बाँदा-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	महोबा जं.	18.06.2026 से 19.06.2026

रेलगाड़ियों का रेग्युलेशन

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	रेग्युलेशन	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
01027	दादर-गोरखपुर	240 मिनट (120 मिनट पश्चिम मध्य रेलवे में एवं 120 मिनट उत्तर मध्य रेलवे में)	18.06.2026
64602	कानपुर सैंट्रल-मानिकपुर	40 मिनट	11.06.2026 से 17.06.2026
18203	दुर्ग-कानपुर सैंट्रल	20 मिनट उत्तर मध्य रेलवे में	09.06.2026, 14.06.2026 एवं 16.06.2026

रेलगाड़ियों की रिशेड्यूलिंग

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	रिशेड्यूलिंग	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
64645	खजुराहो-कानपुर सैंट्रल	खजुराहो से 180 मिनट	11.06.2026 से 17.06.2026

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1217/26(A)

सम्पादकीय.......

निराशाजनक फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार 27 मई को बिहार और अन्य राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की वैधता को बरकरार रखने का महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ कर दिया है कि एसआईआर कराना चुनाव आयोग का अधिकार है और इससे मतदाता सूची को सही और पारदर्शी बनाए रखने में मदद मिलती है। इस फैसले के बाद संविधान कुचलने और लोकतंत्र को हराने की भाजपा की कोशिश को बड़ी कामयाबी मिली है। भाजपा ने इसका इजहार भी कर दिया है। भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने इसे विपक्ष के लिए संवैधानिक हार बताया है। इस तरह जाहिर हो गया कि भाजपा और चुनाव आयोग एक टीम में हैं, अन्यथा इस फैसले में चुनाव आयोग की कार्रवाई को सही बताया गया है तो भाजपा उसकी खुशी क्यों मना रही है। सुधांशु त्रिवेदी ने विपक्ष पर बेबुनियाद आरोप लगाते हुए कहा कि मामला सिर्फ इतना ही नहीं है कि एसआईआर के खिलाफ आरोप निराधार साबित हुए बल्कि मुद्दा इससे कहीं अधिक गंभीर है। उन्होंने कहा कि आज विपक्षी दल, विशेषकर कांग्रेस पार्टी का चीन के साथ समझौता है, उनका परिवार इटली में है। उनकी विचारधारा का केंद्र इंग्लैंड और यूरोप में है, और प्रचार का केंद्र अमेरिकी संस्थान हैं और वोटों का प्रवाह बांग्लादेश से जुड़ा हुआ है। जाहिर है एक बार फिर कांग्रेस और गांधी परिवार को निशाने पर लिया गया है, जबकि एसआईआर के खिलाफ टीएमसी, सपा, आरजेडी, डीएमके जैसे तमाम दल हैं। इन सबका एक ही तर्क है कि नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता और एसआईआर के जरिए ऐसा ही हो रहा है। पाठक जानते हैं कि आजादी के बाद जब संविधान बना और उसके तहत लोकतांत्रिक चुनाव करवाने की प्रक्रिया शुरु हुई तो नीति निर्माताओं का जोर इस बात पर था कि देश के हर वयस्क नागरिक को मतदान का अधिकार मिले, ताकि सही अर्थों में जनता अपने लिए सरकार चुन सके। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नागरिकों को चुनाव दर चुनाव मतदान के लिए जागरुक किया गया, चुनावों को लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के तौर पर निरूपित किया गया। चुनाव आयोग की कोशिश रही कि जिन नागरिकों ने बतौर मतदाता अपना नाम दर्ज नहीं कराया है, उन तक पहुंचा जाए। क्योंकि एक भी नागरिक अगर मतदान के अधिकार से वंचित रहे तो यह लोकतंत्र की बड़ी हार होती। लेकिन एसआईआर के जरिए क्या इस लोकतंत्र को हराने की कोशिश हो रही है, ऐसी चिंता के साथ कई लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण की वैधता को लेकर याचिकाएं दाखिल की थीं। ध्यान रहे कि पिछले साल बिहार से एसआईआर की शुरुआत की गई थी और तब सवाल उठे थे कि ठीक चुनाव के पहले ऐसी कवायद की क्या जरूरत है। अगर मतदाता सूची में गड़बड़ी थी तो क्या लोकसभा चुनाव के नतीजे अवैध कहे जा सकते हैं। क्या चुनाव आयोग के पास एसआईआर कराने का संवैधानिक अधिकार है? दस्तावेज जमा न कर पाने पर जो लाखों लोगों के नाम कटे हैं, क्या उन्हें अब नागरिकता के अधिकार से भी वंचित माना जाएगा। जिस तरह के दस्तावेज चुनाव आयोग ने मांगे, उस पर तो एनडीए के कई नेता भी असहज दिखे कि वो अपने मां–बाप का जन्म प्रमाण पत्र कहां से लाएं, या कैसे प्रवासी मजदूर अपने नागरिक होने का सबूत पेश करें, क्योंकि एसआईआर में आधार कार्ड को भी मान्य नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट में इन पर सुनवाई होती रही, लेकिन इस बीच, आयोग बिहार समेत कई राज्यों में एसआईआर करवा दिया, और उसी सूची से विधानसभा चुनाव भी संपन्न हो गए। कायदे से जब किसी विवादास्पद फैसले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होती है, तो उसे अमल में लाने से रोका जाना चाहिए। मगर इस बार शायद भाजपा और चुनाव आयोग दोनों को यकीन था कि फैसला उनके पक्ष में ही आना है। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि कई राज्यों में चुनाव इसी एसआईआर के आधार पर एक पक्षपातपूर्ण चुनाव आयोग द्वारा कराए गए थे, जिसमें 10 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे और यह प्रक्रिया पूरी तरह से अपारदर्शी थी। उन्होंने इसे न्यायपालिका के लिए काला दिन भी बताया। वहीं याचिकाकर्ताओं में एक योगेन्द्र यादव ने कहा कि इस मामले की दिशा पिछले साल अगस्त में ही तय हो गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग को इस मामले पर पहले फैसला किए बिना और एसआईआर के बाद की सूचियों में साफ नजर आ रही खामियों को भी ठीक करने के लिए मजबूर किए बिना बिहार चुनाव जल्दबाजी में कराने की अनुमति दे दी थी। एक अन्य याचिका की सुनवाई के दौरान इस याचिका के ताबूत में आखिरी कील ठोंकी गई। जब एक माननीय न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि लाखों लोगों को, जिन्हें मतदान के अधिकार से वंचित किया गया है, चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि वे अगले चुनाव में मतदान कर सकते हैं।

भारत की कूटनीति, अवसर और अंतर्विरोध

मई 2026 की नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा में अनेक अहम समझौते हुएकृजिनमें रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण, एलपीजी आपूर्ति, सुपरकंप्यूटिंग क्लस्टर, वदीनार शिप रिपेयर क्लस्टर, रक्षा साझेदारी तथा आरबीएल बैंक व सम्मान कैपिटल में निवेश शामिल हैं। द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर से बढ़ाकर 2032 तक 200 अरब डॉलर करने का लक्ष्य है। यूएई में 40 लाख भारतीयों की उपस्थिति आपसी संबंधों की मजबूती दर्शाती है। इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड और अबूधाबी नेशनल ऑयल कंपनी के समझौते के तहत अबूधाबी भारत में 30 मिलियन बैरल तक तेल भंडारित कर सकेगा। यह लीज मॉडल हैकृसुविधा भारत की, पर स्वामित्व अबूधाबी का। आपातकाल में भारत को केवल श्प्राथमिक पहुंचश मिलेगी, जो पूर्ण गारंटी नहीं देती। भंडारण का अधिकांश खर्च भारत वहन करेगा, जबकि अबूधाबी को वाणिज्यिक लचीलापन मिलेगा। इसलिए इसे पूर्णतरू श्परस्पर लाभकारीश कहना जल्दबाजी होगी, क्योंकि इस अतिरिक्त स्टॉक की उपलब्धता से हमारी आयात निर्भरता और कम रणनीतिक भंडारण की मूल समस्या को पूरी तरह हल नहीं करता। यूएई की वेस्ट–ईस्ट पाइपलाइन परियोजना अभी निर्माणाधीन है और इसके 2027 में पूरा होने की संभावना है। यह हबशान से फुजैराह तक कच्चा तेल ले जाने वाली लाइन है, जो होर्मुज पर निर्भरता कम करने की यूएई की अपनी निर्यात सुरक्षा रणनीति का हिस्सा है। इसलिए इसे भारत के तत्काल लाभ के रूप में प्रस्तुत करना अतिशयोक्ति होगा।

दुबई यात्रा को लेकर कुछ स्वाभाविक प्रश्न उठते हैं। दुबई ऊर्जा क्षेत्र का प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी नहीं है, और खाड़ी संकट के बाद भारत का व्यापारिक झुकाव सिंगापुर की ओर बढ़ा है। टैक्स हेवन, अपारदर्शी निवेश व संदिग्ध वित्तीय नेटवर्क से जुड़ी उसकी ऐतिहासिक छवि, सुधारों के बावजूद, जटिल रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री की आठ यात्राएं नीति प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े करती हैं। भारत को अबू धाबी केंद्रित ऊर्जा सहयोग और दुबई आधारित वित्तीय संपर्कों के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना चाहिए, ताकि अनावश्यक अटकलों से बचा जा सके। भू–राजनीतिक तनावों के बीच यूएई की यह यात्रा समयोचित भी नहीं लगती। विशेषज्ञ होर्मुज संकट को संरचनात्मक मानते हैं, जिससे 2026 में भारत की जीडीपी घटने व अर्थव्यवस्था पर दबाव संभव है। ऐसे में ऊर्जा सुरक्षा हेतु ईरान के साथ संतुलित कूटनीतिक संवाद जरूरी है, क्योंकि होर्मुज की चाबी उसी के पास है य केवल यूएई पर निर्भरता एकतरफा रणनीति हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी की नीदरलैंड यात्रा से भारत को सेमीकंडक्टर, जल प्रबंधन, डेयरी, कृषि प्रौद्योगिकी और रक्षा सहयोग क्षेत्रों में महत्वपूर्ण समझौते हासिल हुए। दोनों देशों ने व्यापार व निवेश बढ़ाने तथा इंडो–पैसिफिक में रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री मोदी की स्वीडन यात्रा में दोनों पक्षों ने ग्रीन ट्रांजिशन, एआई टेक्नालॉजी कॉरिडोर, हेल्थ–टेक, ग्रीन मोबिलिटी और रक्षा क्षेत्र में दीर्घकालिक औद्योगिक साझेदारी की घोषणाएं कीं। इस यात्रा ने यूरोप में भारत की तकनीकी और रणनीतिक पहुंच को प्रतीकात्मक रूप से मजबूत किया, परंतु इससे आगे ठोस परिणाम अभी दिखने बाकी हैं। प्रधानमंत्री मोदी की नॉर्वे यात्रा का महत्व इसलिये है क्योंकि लगभग 42 वर्षों बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री वहां गया। दोनों देशों ने 12 समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें हरित रणनीतिक साझेदारी, हिंद प्रशांत महासागर पहल, डिजिटल विकास, स्वास्थ्य सहयोग, अंतरिक्ष, समुद्री ऊर्जा, तकनीकी नवाचार और भू वैज्ञानिक अनुसंधान शामिल हैं। ओस्लो में आयोजित तृतीय भारत–नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भारत और पांच नॉर्डिक देशों स्वीडन, नार्वे, आइसलैंड, डेनमार्क व फिनलैंड ने संबंधों को हरित प्रौद्योगिकी एवं नवाचार आधारित रणनीतिक साझेदारी तक उन्नत किया। स्वच्छ ऊर्जा, आर्कटिक सहयोग, ब्लू इकानॉमी, साइबर सुरक्षा, उभरती तकनीकों और निवेश पर व्यापक सहमति बनी।

प्रधानमंत्री मोदी की इटली यात्रा में दोनों देशों ने राजनीतिक समन्वय, आर्थिक औद्योगिक एकीकरण, उभरती तकनीकों, हरित ऊर्जा और हिन्द भूमध्यसागर आर्थिक कारीडोर जैसे कनेक्टिविटी ढांचों पर सहयोग बढ़ाने का संकल्प दोहराया, जिससे भारत इटली साझेदारी को भविष्य उन्मुख दिशा मिली। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा कई चमकदार क्षणों से भरी रहीकृयूएई और स्वीडन के लड़ाकू विमानों की एस्कॉर्ट, नॉर्वे और स्वीडन के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, और भव्य स्वागत।

नीदरलैंड के प्रधानमंत्री ने मोदीजी की अनुपस्थिति में पत्रकारों के समक्ष भारत में प्रेस स्वतंत्रता और धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चिंता जताई। नॉर्वे के प्रधानमंत्री ने कूटनीति और श्व्यापार के हथियारीकरणश पर मोदी सरकार की नीतियों पर अप्रत्यक्ष टिप्पणी की। एक नॉर्वेजियन पत्रकार ने भारत की प्रेस स्वतंत्रता पर सीधा सवाल उठाया। लेकिन प्रतीकात्मक सफलताओं के बीच में इन घटनाओं ने यात्रा की चमक पर हल्की खरोंच डाल दी। प्रधानमंत्री ने प्रश्न को अनसुना कर दिया, जिससे अनावश्यक कूटनीतिक असहजता पैदा हुई। बाद में विदेश मंत्रालय के सचिव सिबी जॉर्ज ने सफाई दी। उन्होंने भारत की सभ्यता, लोकतांत्रिक ढांचे और कोविड काल की भूमिका का हवाला दिया, पर उनका जवाब न तो प्रभावी लगा, न ही आश्वस्त करने वाला। उनकी झुंझलाहट और श्जानकारी के अभावश वाला तर्क स्थिति संभालने के बजाय और कमजोर ही दिखा। यह प्रकरण बताता है कि दूतावासों की तैयारी कमजोर थीय कूटनीति में कभी–कभी प्रधानमंत्री के दो वाक्य भी पूरी छवि बचा लेते हैंकृयह अवसर हाथ से निकल गया। इस यात्रा के दौरान नॉर्वे के प्रमुख अखबार श्आफ्टेनपोस्टेनश ने प्रधानमंत्री मोदी का एक कार्टून प्रकाशित किया, जिसमें उन्हें श्सपेरेश की मुद्रा में दिखाया गया। यह चित्रण पश्चिमी मीडिया में भारत की रूढ़िबद्ध छवि को प्रतिबिंबित करता है। हालांकि ऐसे व्यंग्य असामान्य नहीं हैं लेकिन यह घटना उच्च–स्तरीय कूटनीतिक दौरों में मीडिया प्रबंधन की चुनौतियों की याद दिलाती है। पश्चिम एशिया संकट के बाद यूएई और इजरायल अंतरराष्ट्रीय जनमत में अलग थलग पड़ते दिख रहे हैं और युद्ध को लेकर राष्ट्रपति ट्रम्प की छवि भी कमजोर हुई है। ऐसे जटिल वैश्विक माहौल में भारत को अपनी कूटनीतिक स्थिति बेहद सोच समझकर तय करनी होगी। प्रधानमंत्री मोदी की यूएई यात्रा जहां अमेरिकी रुख के प्रति सामरिक सामंजस्य का संकेत है, वहीं यूरोपीय देशों के दौरे यह संदेश भी देते हैं कि भारत अपनी कूटनीति में पूर्णतरू किसी एक ध्रुव के साथ नहीं, बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता के साथ आगे बढ़ रहा है। नॉर्डिक दौरे में भारत को हरित ऊर्जा, तकनीक व निवेश मेंकृ नॉर्वे स्वीडन और नीदरलैंड के साथकृ ठोस लाभ मिले। यूएई यात्रा ऊर्जा और निवेश के क्षेत्र में और अधिक प्रभावी होती, यदि भारत ईरान पर हुए हमलों पर अपनी स्पष्ट चिंता जताता। कुल मिलाकर, ये यात्राएं भारत की वैश्विक उपस्थिति को सुदृढ़ करती हैं, पर बदलते भू–राजनीतिक परिदृश्य में केवल सक्रिय कूटनीति पर्याप्त नहीं हैकृ संतुलित, बहुपक्षीय और मूल्य–आधारित दृष्टिकोण अनिवार्य है। ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता तभी टिकाऊ होंगी, जब भारत सभी पक्षों से समान दूरी रखते हुए अपने दीर्घकालिक हितों को स्पष्ट प्राथमिकता देकृयही इस पूरे दौरे का वास्तविक सबक है।

युवा इतना कॉकरोची क्यों है?

संदीप सिंह

भारत में इन दिनों सोशल मीडिया पर चल रहा कॉकरोच जनता पार्टी अभियान केवल एक इंटरनेट ट्रेंड या मीम संस्कृति का हिस्सा नहीं है। यह उस गहरे असंतोष, हताशा और गुस्से की अभिव्यक्ति है जो देश के युवाओं और आम लोगों के भीतर धीरे–धीरे जमा होता गया है। देश के मुख्य न्यायाधीश ने जिस भी मानसिकता से बेरोजगार युवाओं के लिए कॉकरोच के रूपक का प्रयोग किया हो, एक बड़ा युवा वर्ग इस रूपक से जुड़ी त्रासदी, तिरस्कार, शोषण, और पीड़ा को अपने जीवन से जोड़ पा रहा है। बेरोजगारी, मंदी, महंगाई, परीक्षा घोटाले, भ्रष्टाचार, राजनीतिक दूरी और सामाजिक अपमान के बीच पिसती एक पीढ़ी ने इस रूपक में अपने जीवन का प्रतिबिंब देख लिया है। यह देश के युवाओं में चौतरफा फैली हताशा, चिढ़ और गुस्से का प्रतीक बन रही है। आज युवा का जीवन किसी कॉकरोच से अलग है क्या? दोनों हमारी व्यवस्था का तिरस्कृत और अदृश्य बहुमत हैं। यह तिरस्कृत, और अदृश्य लोगों का विद्रोह है। इसे कोई दल या विकल्प न समझा जाये। इसके पास आपके हर सवाल का जवाब नहीं है। हमारे समय की त्रासदी पर एक मजाक, एक चुटकुले के रूप में इसकी शुरुआत हुई है। इतिहास में ऐसा कई बार हुआ है कि एक मजाक पूरी व्यवस्था पर भारी पड़ गया है। यह तेज संचार का दौर है। लोगों की जानकारी, उम्मीदें और बेचैनी भी बढ़ी है। अब लोग लंबे इंतजार के लिए तैयार नहीं हैं। उन्हें आज, अभी अपनी समस्या का हल चाहिए। उन्हें ठोस बदलाव चाहिए। चुनावों में चाहे उन्होंने किसी भी दल को वोट दिया हो, बड़ी संख्या में लोग अपने वर्तमान जीवन से संतुष्ट नहीं दिखते। यही कारण है कि एक व्यंग्यात्मक अभियान अचानक व्यापक जनभावना का प्रतीक बन जाता है। श्कॉकरोच जनता पार्टीश नाम की यह कैम्पेन भारत के चुनावी–राजनीतिक तंत्र के सीमाओं के खोखलेपन को भी उजागर कर रही है जहां श्चुने हुए राजनीतिक लोगश एक अलग ही वर्ग बन चुके हैं। भारत का पोलिटिकल क्लास जनता से बहुत दूर जा चुका है। इसे एकाउंटेबल बनाने का कोई औजार जनता के पास अब बचा नहीं है। जनता याचक मात्र बनकर रह गई है। पॉलिटिकल क्लास अब नया राजा है। इन्हीं में कोई एक बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच कह देता है तो सोशल मीडिया में भूचाल आ जाता है। करोड़ों की संख्या में निकले ये कॉकरोच नए श्राजाओंश के लिए चेतावनी हैं। कॉकरोच शब्द मूलतः तिरस्कार का प्रतीक माना जाता है। लेकिन जब बेरोजगार युवा खुद को इसी रूपक से जोड़ने लगें तो यह केवल भाषा का खेल नहीं रह जाता, बल्कि व्यवस्था पर गंभीर टिप्पणी बन जाता है। करोड़ों युवा इस कैंपेन से जुड़ रहे हैं। यह कितना आर्गेनिक है और कितना प्रायोजित है, इसके पीछे कौन सी बाहरी या भीतरी शक्तियां हैं, यह टिकेगा या एक बुलबुले की तरह गायब हो जाएगा, इसका मकसद क्या है आदि–सवाल हैं जो उठ रहे हैं और उठने भी चाहिए– मगर इस परिघटना को श्खारिजश करने के अंदाज से देखने से फायदा नहीं है। सतह के नीचे कुछ तो ऐसा करेंट है जिसे इस कैम्पेन ने छुआ है। सोशल मीडिया पर अतरंगी कंटेंट की आई बाढ़ कुछ तो बता रही है। क्या हम सुनने के लिए तैयार हैं? आज भारत एक अजीब चौराहे पर खड़ा है। मंदी मुस्कुरा रही है। महंगाई का मकड़जाल जेब और गर्दन दोनों पर कसने लगा है। गैस, पेट्रोल, डीजल, खाद, बिजली और इज्जत की दिक्कत बढ़ती जा रही है। आमदनी बढ़ नहीं रही।

इज्जत मिल नहीं रही। अच्छी शिक्षा और सेहत अब सिफ 'पैसे से पाई जा सकती है। परीक्षा में धांधली अब राष्ट्रीय आयोजन है। किसी को कुछ फर्क नहीं पड़ता। टैक्स बढ़ते जा रहे हैं, तनख्वाह वाले लोग सालाना सैलरी बढ़ोतरी और महीनावार ईएमआई के बीच की दूरी पाटने में चुक जा रहे हैं। उद्योग जगत में घबराहट है।

हिंदी पत्रकारिता दिवसः समाज की चेतना, लोकतंत्र की आवाज़ और स्वर्गीय श्री हरि मोहन मालवीय जी का योगदान

30 मई भारतीय हिंदी पत्रकारिता के इतिहास का एक गौरवशाली दिवस है। इसी दिन वर्ष 1826 में हिंदी के प्रथम समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन आरम्भ हुआ था। इस वर्ष हिंदी पत्रकारिता अपने 200 वर्ष पूरे कर रही है। यह केवल एक भाषा या पत्रकारिता की यात्रा नहीं, बल्कि भारत की सामाजिक चेतना, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन–जागरण की दो शताब्दियों की गौरवगाथा है। हिंदी पत्रकारिता ने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक जनमत को दिशा देने, सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज़ उठाने, लोकतंत्र को मजबूत बनाने और आम नागरिक की समस्याओं को शासन–प्रशासन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक सशक्त लोकतंत्र की आधारशिला स्वतंत्र, निष्पक्ष और उत्तरदायी पत्रकारिता ही होती है।

एक अच्छे हिंदी पत्रकार में सत्य के प्रति निष्ठा, निष्पक्षता, संवेदनशीलता, सामाजिक सरोकार, भाषा पर अधिकार तथा जनहित के प्रति समर्पण जैसे गुण होने चाहिए। पत्रकार का कार्य केवल समाचार देना नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा दिखाना, जनभावनाओं को अभिव्यक्ति देना और सत्ता तथा समाज के बीच एक जिम्मेदार सेतु का कार्य करना भी है।

हिंदी पत्रकारिता के इसी आदर्श और जनपक्षधर परंपरा को अपने लेखन और विचारों से समृद्ध करने वाले पत्रकारों में स्वर्गीय श्री हरि मोहन मालवीय जी का नाम सम्मानपूर्वक लिया जाता है। उन्होंने विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विषयों पर अपने विचार लेखों, आकाशवाणी वार्ताओं तथा दूरदर्शन कार्यक्रमों के माध्यम से व्यापक जनसमुदाय तक पहुँचाए। उनके लेख देश के अनेक प्रतिष्ठित समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे तथा उनकी लेखनी सदैव जनजागरण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से प्रेरित रही। उनके पत्रकारिता एवं लेखन क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को मान्यता देते हुए वर्ष 2001 में उन्हें हिंदी पत्रकारिता के प्रतिष्ठित गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है। यह सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि थी, बल्कि उन मूल्यों की भी पहचान थी जिनके प्रति वे जीवन भर समर्पित रहेकृसत्यनिष्ठा, सामाजिक सरोकार और राष्ट्रहित।

आज, हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हम उन सभी पत्रकारों और साहित्यकारों को नमन करते हैं जिन्होंने अपनी कलम को समाज और राष्ट्र की सेवा का माध्यम बनाया। स्वर्गीय श्री हरि मोहन मालवीय जी का जीवन और लेखन हमें यह प्रेरणा देता है कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व और जनसेवा का एक सशक्त माध्यम है। हिंदी पत्रकारिता दिवस पर स्वर्गीय श्री हरि मोहन मालवीय जी को विनम्र श्रद्धांजलि एवं समस्त पत्रकार बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ।

डिजिटल आक्रोश या नया राजनीतिक विकल्प

अशांशु संचेती

भारतीय राजनीति में सोशल मीडिया और मीम्स अब केवल मनोरंजन या समय काटने का साधन नहीं रह गए हैं, बल्कि वे व्यवस्था के खिलाफ पनप रहे एक बहुत बड़े और गहरे असंतोष को व्यक्त करने का सबसे धारदार हथियार बन चुके हैं। हाल के दिनों में इंटरनेट की दुनिया में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नाम का एक बेहद अजीबोगरीब और अभूतपूर्व डिजिटल आंदोलन तेजी से उभरा है, जिसने मुख्यधारा के राजनीतिक पंडितों और समाजशास्त्रियों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, विशेषकर इंस्टाग्राम, एक्स और फेसबुक पर इस तथाकथित आभासी पार्टी के फॉलोअर्स की संख्या रातों–रात लाखों से होती हुई करोड़ों में पहुंच चुकी है। देश का युवा वर्ग, जो अक्सर अलग–अलग वैचारिक, धार्मिक और क्षेत्रीय दायरों में बिखरा रहता है, इस समय पहली बार एक सुर में इस आत्म–निंदा से भरे श्कॉकरोचश ब्रांडिंग के पीछे एकजुट खड़ा दिखाई दे रहा है। लेकिन इस डिजिटल सुनामी के बीच कई गंभीर सवाल भी तैर रहे हैं। सवाल यह है कि इस पूरी मुहिम के पीछे असल में कौन लोग हैं, इनका वास्तविक एजेंडा क्या है, और क्या भारतीय जनता का यह तीखा गुस्सा किसी वास्तविक राजनीतिक या सामाजिक बदलाव की ओर बढ़ रहा है, या फिर यह भी इतिहास के अन्य आंदोलनों की तरह केवल एक और चुनावी वोट–काटू प्रोपेगैंडा बनकर रह जाएगा? इस पार्टी के बारे में कोई भी अंतिम धारणा बनाना अभी जल्दबाजी होगी, क्योंकि डिजिटल दुनिया की हवा जितनी तेजी से चलती है, उतनी ही तेजी से बदल भी जाती है। इस पूरे विवाद, गुस्से और आंदोलन की जड़ें सीधे तौर पर देश की सर्वोच्च अदालत की एक तल्ख टिप्पणी से जुड़ी हुई हैं। हाल ही में एक संवेदनशील मामले की सुनवाई के दौरान माननीय मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कथित तौर पर बेरोजगार युवाओं, सोशल मीडिया पर सक्रिय एक्टिविस्टों और बार–बार आरटीआई लगाने वाले कार्यकर्ताओं के संदर्भ में श्कॉकरोचश (तिलचट्टा) और श्परजीवीश जैसे बेहद कड़े और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। हालांकि, जब इस टिप्पणी को लेकर चौतरफा आलोचना शुरू हुई और सोशल मीडिया पर गुस्सा उबलने लगा, तो सुप्रीम कोर्ट और स्वयं सीजेआई की ओर से एक स्पष्टीकरण भी सामने आया, जिसमें कहा गया कि उनके बयान को संदर्भ से बाहर जाकर तोड़–मरोड़ कर पेश किया गया था और वे दरअसल केवल श्फर्जी डिग्रीश धारकों और ब्लैकमेलिंग करने वाले तत्वों की बात कर रहे थे। लेकिन राजनीति और जनभावनाओं की दुनिया में तब तक तीर कमान से छूट चुका था और जो संदेश जनता तक जाना था, वह जा चुका था। देश के पढ़े–लिखे लेकिन बेरोजगार युवाओं, अधिकारों के लिए लड़ने वाले एक्टिविस्टों और आम नागरिकों को यह भाषा सीधे अपने आत्मसम्मान पर चोट जैसी लगी। युवाओं को लगा कि एक लोकतांत्रिक देश में, जहां उन्हें राष्ट्र निर्माता कहा जाना चाहिए, वहां देश की सबसे बड़ी अदालत उन्हें श्परजीवीश कह रही है। आम आदमी पार्टी के पूर्व सोशल मीडिया रणनीतिकार अभिजीत दिपके ने युवाओं के इसी सुलगते हुए गुस्से को भांप लिया और इसे एक संगठित डिजिटल अभियान में बदलते हुए श्कॉकरोच जनता पार्टीश की नींव रख दी। इस आंदोलन ने बहुत ही चतुराई से व्यवस्था के दिए जख्म को ही अपना तमगा बना लिया और इसका नारा रखा गया कि श्उन्होंने हमें कुचलने की कोशिश की, लेकिन हम फिर वापस आ गए।श इस तथाकथित डिजिटल पार्टी की सदस्यता के नियम और शर्तें भी इतनी व्यंग्यात्मक और तंजभरी रखी गई हैं कि वे सीधे युवाओं को आकर्षित कर रही हैं, जैसे कि सदस्य बनने के लिए व्यक्ति का बेरोजगार होना, व्यवस्था से निराश होना, चौबीसों घंटे ऑनलाइन रहना और पेशेवर तरीके से मीम्स के जरिए सत्ता पर अपनी भड़ास निकालने की क्षमता रखना आवश्यक है। इस आंदोलन की इस अभूतपूर्व और अकल्पनीय हाइप को देखकर कई वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक और आम नागरिक इसकी तुलना वर्ष 2011–12 के ऐतिहासिक अन्ना हजारे आंदोलन से कर रहे हैं, जिसने देश की राजनीति की दिशा बदल दी थी। लेकिन वह पुराना अनुभव देश की आम जनता के लिए सुखद नहीं रहा। उस समय देश ने देखा था कि कैसे विदेशी फंडिंग, कॉर्पोरेट घरानों की बैंकिंग और मीडिया के एक बहुत बड़े हिस्से के प्रायोजित समर्थन से घिरे एक आंदोलन ने तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के इतने बड़े और सनसनीखेज आरोप लगाए कि पूरी सरकार ही कटघरे में खड़ी हो गई। उस आंदोलन का नतीजा क्या निकला? परिणाम यह हुआ कि जिस जनलोकपाल बिल के लिए पूरा देश सड़कों पर उतर आया था। वह आज तक अपने असली स्वरूप में नहीं आ सका। अन्ना हजारे खुद आंदोलन खत्म होने के बाद परिदृश्य से पूरी तरह गायब हो गए या उन्हें गायब कर दिया गया। लेकिन उस आंदोलन की लहर पर सवार होकर देश में एक ऐसी नई राजनीतिक सत्ता का उदय जरूर हो गया, जिसने पूरे देश का राजनीतिक ताना–बाना ही बदलकर रख दिया। इसके बाद जब मामले देश की सबसे बड़ी अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट में पहुंचे, तो टू जी स्पेक्ट्रम घोटाला और कोयला घोटाला जैसी बड़ी–बड़ी जांच समितियां और आरोप पूरी तरह से निराधार और खोखले साबित हुए। पिछले 12–13 सालों की कानूनी लड़ाइयों में उस समय लगाए गए आरोपों में से एक भी बड़ा आरोप अदालतों में साबित नहीं हो सका। विडंबना की पराकाष्ठा यह है कि आज देश में भ्रष्टाचार खत्म होने के बजाय एक नए और विकृत रूप में सामने आया है, जिसे अब लोग श्जीवन का शिष्टाचारश कहने लगे हैं। आज स्थिति यह है कि हजारों करोड़ रुपये के घोटाले या घपले देश की जनता के लिए सिर्फ मजाक बनकर रह गए हैं और भ्रष्टाचार एक सामान्य सी दैनिक घटना लगने लगी है। उस अन्ना आंदोलन ने असल में देश की जनता का श्आंदोलनोंश और श्क्रांतियोंश के प्रति जो एक पवित्र विश्वास था, उसे हमेशा के लिए तोड़ दिया।

बिदाई (लघुकथा)

दो बरस के सूखे ने भैंस, गाय, बकरी,बर्तन सब कुछ खा डाला था। गिरवीं पड़े ज़ेवर,घर और खेत को छुड़ा पाने की उम्मीद भी मर चुकी थी,लेकिन बेटी के गवने की तारीख़ थी कि भागी चली आ रही थी।

उस दिन वह बहुत ख़ुश घर लौटा तो उसकी जोरू को हैरत हुई मगर जब तीस हज़ार रुपयों में से पाँच सौ का एक नोट बिदाई के बाद की ज़रूरत के लिए अलग कर के उस ने बाक़ी साढ़े उन्तीस हज़ार अपनी जोरू के हवाले किये तो उसे लगा सब कुछ ठीक ही तो है।

अच्छे से बेटी का गौना हो गया और बेटी अपने घर बिदा हो गयी। बेटी की बिदाई और रिश्तेदारों के बिदा हो जाने पर रात को गठरी में कपड़े और कुछ बचा खाना बांधने के बाद उसने अपनी जोरू से कहा 'हमार लल्ली तो बिदा होय गय,चल हमहूँ पचेन बिदा होय लेई,माया छोड़ घर डेहरी से मुँह मोड़,अब मोह करै महाजन'

अनवार अब्बास नक़वी

'लंबे कद की वजह से छिनी कई फिल्में'

पूजा बत्रा का बड़ा खुलासा, कहा- मेरी लंबाई से घबराते थे अभिनेता

पूजा बत्रा ने इंडस्ट्री और अभिनेताओं को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया क्यों उनकी हाइट से घबरा जाते थे एक्टर्स और हाइट की वजह से उनके हाथ से निकलीं कई फिल्में। जानिए सलमान खान को लेकर उन्होंने क्या कुछ कहा३ 1997 में आई फिल्म 'विरासत' से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाली अभिनेत्री पूजा बत्रा ने मॉडलिंग से अपनी शुरुआत की थी। पूजा बत्रा कई हिंदी फिल्मों का हिस्सा रहीं। हालांकि, सफल डेब्यू के बावजूद उनका करियर ज्यादा लंबा नहीं रह सका। हाल ही में पूजा बत्रा ने बताया कि उनकी लंबी हाइट के चलते भी उन्हें कई फिल्मों से हाथ धोना पड़ा। क्योंकि अधिकांश एक्टर्स की हाइट उनसे कम थी, लेकिन उनमें ईगो इतना था कि वो हीरोइन को खुद से लंबा नहीं दिखने देना चाहते थे। इसलिए वो हीरोइनों को खुद से छोटा दिखाना चाहते थे। मेरी हाइट की वजह से हीरो घबरा जाते थे हार्पर बाजार इंडिया से बात करते हुए पूजा बत्रा ने अपने शुरुआती दौर में संगीता बिजलानी की एक सलाह को याद किया। उन्होंने कहा कि मुझे याद है संगीता बिजलानी ने मुझसे कहा था, श्फिल्मों में तुम्हारा कोई चांस नहीं है क्योंकि तुम बहुत लंबी होश। संगीता की इस चेतावनी से मुझे निराशा हुई थी। लेकिन वह मेरी आदर्श हैं। वह खूबसूरत हैं और एक मॉडल भी हैं। मुझे जो भी रोल मिला, मैंने उसमें अपना बेस्ट दिया। भले ही मेरे कद की वजह से हीरो घबरा जाते थे। यह सच है कि मेरी लंबाई की वजह से मुझे बहुत सी फिल्में नहीं मिलीं। मैंने कई अच्छे रोल खो दिए। पूजा ने दावा किया कि उनके और संगीता जैसी लंबी अभिनेत्रियों ने सुष्मिता और दीपिका जैसी लंबी अभिनेत्रियों के लिए रास्ता बनाया। इन्हें मुझे धन्यवाद कहना चाहिए। सलमान खान थे एकमात्र अभिनेता, जिन्हें नहीं थी हाइट से दिक्कत पूजा ने बताया कि क्लोज–अप शॉट्स में अपने हीरो को लंबा दिखाने के लिए वह कैमरे के सामने हाफ स्प्लिट्स करती थीं। अपनी पहली फिल्म में पूजा ने छोटी दिखने के लिए रंग–बिरंगे कपड़े पहने थे। एक्ट्रेस ने कहा कि हॉलीवुड में भी मैं नाओमी वाट्स और चार्लीज थेरॉन जैसी सभी लंबी एक्ट्रेस का सम्मान करती हूं। मैं जानती हूं कि लंबाई के बावजूद एक महिला के लिए सफल होना कितना मुश्किल है। हालांकि, पूजा ने कहा कि सलमान खान एकमात्र ऐसे अभिनेता थे जिन्हें मेरी हाइट से कभी कोई दिक्कत नहीं हुई। वह ऐसे व्यक्ति थे जो कहते थे, श्हील्स पहनो, मुझे कोई परेशानी नहीं है। उन्हें अपने कद पर पूरा भरोसा था। सिनेमा में आए बदलाव से खुश हैं पूजा बत्रा हिंदी सिनेमा में आए बदलाव पर एक्ट्रेस ने कहा कि काफी बदलाव हुआ है। न केवल सोच में बदलाव के कारण, बल्कि सिनेमास्कोप में आए तकनीकी बदलावों के कारण भी काफी कुछ सुधार हुआ है। छोटे कद के लोगों को नुकसान होता है, क्योंकि वे कैमरे पर अपनी असल लंबाई से ज्यादा मोटे दिख सकते हैं। दुनिया के ज्यादातर मशहूर अभिनेता बहुत लंबे नहीं हैं। छोटे कपड़े पहनने और अपने फैशन सेंस को पर्दे पर उतारने के लिए पूजा हमेशा फिल्मों में अपने खुद के कपड़े पहनती थीं। उन्हें याद है कि जब वह अपने निजी कपड़ों में सेट पर आती थीं, तो निर्देशक उनसे कहते थे, उसे वही पहनने दो जो उसने पहना है। लेकिन वे उनसे मेकअप हटाने के लिए भी कहते थे क्योंकि उन्हें नैचुरल लुक चाहिए होता था। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मैं सोचती थी, कम से कम सनब्लॉक तो लगाने दो।' मिस इंडिया इंटरनेशनल बनने के बाद फिल्मों में की थी एंट्री पूजा बत्रा ने 1993 में मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीतने के बाद मॉडलिंग और फिर फिल्मों में एंट्री की थी। उन्होंने साउथ की भी कुछ फिल्मों में काम किया। 2003 में उन्होंने एक ऑर्थोपेडिक सर्जन से शादी की और लॉस एंजिल्स कैलिफोर्निया में बस गईं। लेकिन 2011 में तलाक के बाद वह भारत लौट आईं। इसके बाद उन्होंने 'हम तुम शबाना' (2011), 'एबीसीडी 2' (2015) और अन्य हॉलीवुड फिल्मों से वापसी की। उन्होंने 2019 में अभिनेता नवाब शाह से दोबारा शादी की। बॉलीवुड के छोटे और बड़े हाइट वाले कलाकारों को भी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता हैं. साथ ही कई फिल्मों में रिजेक्शन झेलना पड़ता है. इसी बीच एक्ट्रेस पूजा बत्रा ने हाल ही में इंडस्ट्री के अपने अनुभवों को शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने लंबे हाइट के कारण आई परेशानियों का जिक्र किया. साथ ही बताया कि कई हीरो उनके सामने छोटे लगते थे, इसीलिए फिल्मों में उन्हें जानबूझकर छोटा दिखाया जाता हैं. संगीता की बात सुन निराश हुईं पूजा हार्पर्स बाजार इंडिया के साथ बातचीत में पूजा ने बताया कि एक बार संगीता बिजलानी ने उन्हें कहा, श्तुम्हें फिल्मों में मौका मिलना मुश्किल है क्योंकि तुम लंबी हो.श इसके बाद पूजा को बहुत दुख हुआ था क्योंकि वो संगीता को अपनी आइडल मानती थीं. उन्होंने कहा कि हर किरदार में वो अपना बेस्ट करती है, लेकिन लंबी होने के कारण कई हीरो अनकंफर्टेबल हो जाते थे. इसी कारण कई अच्छी फिल्में उनके हाथ से निकल गई. हालांकि सुष्मिता सेन और दीपिका पादुकोण जैसी लंबी एक्ट्रेसेज के लिए उन्होंने रास्ता बनाया. इन हॉलीवुड एक्ट्रेस का सम्मान करती है साथ ही उन्होंने अपनी फिल्म विरासत को याद करते हुए बताया कि उनमें उन्हें ऐसे कपड़े पहनाए जाते थे, जिसमें उनकी हाइट छोटी लगे. क्लोज–उप शॉट्स में उन्हें झुककर या पैर मोड़कर खड़ा होना पड़ता था, जिससे हीरो की हाइट लंबी दिखे. हॉलीवुड में भी लंबी एक्ट्रेसेज को संघर्ष करना पड़ता है, इसीलिए वो बेंतसप्रम जीमतवद और छंवउप जजे जैसी एक्ट्रेसेज का सम्मान करती हैं. वहीं पूजा ने बताया कि सलमान खान को लंबे हाइट्स या हील्स से कोई परेशानी नहीं थीं. जब वो सलमान के साथ श्कहीं प्यार न हो जाएश फिल्म में काम कर रही थीं, तब सलमान कहते थे कि हील्स पहल लो, मुझे कोई दिक्कत नहीं हैं. हालांकि अब बॉलीवुड में ये सारी चीजें पहले से अच्छी हो गई है. आज तकनीक से कलाकारों को अलग तरह से दिखाया जा सकता है. 1993 में मॉडलिंग से शुरू हुई करियर बता दें कि पूजा 1993 में मिस इंडिया इंटरनेशनल की विनर थीं. इसके बाद वो टॉप मॉडल्स में शामिल हो गई और कई फिल्मों में नजर आईं. उन्होंने जोड़ी नंबर 1, नायकरू द रियल हीरो और तलाशरू द हंट बिगिंस जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया था.

मालदीव में मलाइका अरोड़ा का बोल्ड अंदाज

कभी स्विम सूट तो कभी साइकलिंग ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में रहती हैं। फिलहाल मलाइका अरोड़ा इस दौरान मालदीव में मी–टाइम एन्जॉय कर रही हैं और उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वो कभी स्विमिंग पूल में तो कभी स्पा में रिलैक्स करती हुई दिखाई दे रही हैं। मलाइका अरोड़ा की उम्र 52 साल की है लेकिन उनकी खूबसूरती 20 साल की हसीनाओं को टक्कर देती ही। इन तस्वीरों में मलाइका मालदीव में साइक्लिंग करती हुई दिखाई दे रही हैं। इसी के साथ उन्होंने अपना ब्रेकफास्ट की भी फोटो डाली है। इन फोटोज के साथ मलाइका ने साथ में कैप्शन भी लिखा है– विला में बिताई गई सुकून भरी सुबह से लेकर वेलनेस रिचुअल्स, दिल को छू लेने वाला खाना और अपना खुद का परफ्यूम बनाने तककृसब कुछ बेहद निजी, शांतिपूर्ण और बहुत सोच–समझकर तैयार किया गया था। यह एक ऐसी जगह है, जहाँ आप सचमुच दुनिया से कटकर खुद को पूरी तरह से रिचार्ज कर सकते हैं। इन तस्वीरों में मलाइका का यह अंदाज उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है। उनकी इन तस्वीरों को देखते हए यह कहा जा सकता है कि बढ़ती उम्र के साथ भी सुन्दर दिखा जा सकता है। उनका चार्म हर गुजरते दिन के साथ और आकर्षक होता जा रहा है, जिसे देखकर फैंस भी उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे।

साल 2025 में रिलीज हुई नेटफ्लिक्स की सीरीज श्द रॉयल्सश को दर्शकों ने खूब पसंद किया था. वहीं अब इसके दूसरे सीजन की भी तैयारी शुरू हो चुकी है. पहले सीजन में एक्टर ईशान खट्टर और भूमि पेडनेकर एक साथ नजर आएं थे, लेकिन इसी बीच नए सीजन को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले सीजन की लीड स्टार भूमि पेडनेकर अब सीजन 2 में नजर नहीं आएंगी. एक्ट्रेस को सीजन 1 में काफी ट्रोल किया गया था. द रॉयल्स 2 में नहीं दिखेंगी भूमि पेडनेकर? मिड–डे की रिपोर्ट के मुताबिक, भूमि पेडनेकर अब नेटफ्लिक्स की सीरीज द रॉयल्स के दूसरे सीजन का हिस्सा नहीं होंगी. बताया जा रहा है कि मेकर्स अब शो की रोमांटिक कहानी को आगे बढ़ाने के बजाय शाही परिवार की कहानी और उनके आपसी रिश्तों पर ज्यादा फोकस करना चाहते हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे सीजन में ईशान खट्टर, जीनत आमान और साक्षी तंवर के किरदारों और श्द रॉयल्स की दुनिया को ज्यादा विस्तार से दिखाया जाएगा. सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, श्जब आप रोमांस बनाते हैं, तो कहानी उसी के इर्द–गिर्द चलती है. लेकिन शो रिलीज होने के बाद दर्शकों को सबसे ज्यादा शाही परिवार और उनकी दुनिया पसंद आई. पहले सीजन का अंत अधूरी लव स्टोरी के साथ हुआ था, लेकिन उसे आगे बढ़ाने का कोई फैसला नहीं लिया गया. भूमि के साथ किसी तरह का विवाद नहीं हुआ है. मेकर्स सिर्फ कहानी को दूसरे सीजन में स्वाभाविक तरीके से आगे ले जाना चाहते हैं.श रिपोर्ट में आगे बताया गया कि भूमि पेडनेकर अब अलग और ज्यादा दमदार किरदारों की तरफ बढ़ना चाहती हैं. वह जल्द ही प्राइम वीडियो की सीरीज दलदल के दूसरे सीजन में एक परेशान पुलिस ऑफिसर के किरदार में वापसी करेंगी. फर्स्ट सीजन में बुरी तरह ट्रोल हुईं थीं एक्ट्रेस बता दें, भूमि पेडनेकर को द रॉयल्स में उनके किरदार के लिए काफी ट्रोल किया गया था. एक्ट्रेस ने सीरीज स्टार्टअप फाउंडर का रोल प्ले किया था।

जर्मन मॉडल लिजलाज ने हाल ही में दावा किया कि विराट कोहली द्वारा कथित तौर पर उनकी फोटो लाइक करने के बाद कुछ पत्रकारों ने उन्हें क्रिकेटर के खिलाफ गलत बयान देने के लिए पैसे ऑफर किए थे। फिल्मीमंत्रा को दिए इंटरव्यू में लिजलाज ने बताया कि कथित तौर पर पोस्ट लाइक किए जाने के बाद उन्हें लगातार लोगों के फोन आने लगे। सभी यही कह रहे थे कि विराट ने उनकी पोस्ट लाइक की है। अपने फेवरेट क्रिकेटर विराट द्वारा कथित तौर पर उनकी तस्वीर लाइक किए जाने पर लिजलाज ने कहा, 'मैं इससे बहुत खुश थी और थोड़ा इमोशनल भी हो गई थी, लेकिन मुझे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी कि ऐसा कुछ होगा। मुझे अलग–अलग मैगजीन से इतने सारे कॉल आने लगेंगे।' लिजलाज बोलीं– मैं पैसों के लिए झूठ नहीं बोलूंगी लिजलाज ने दावा किया, 'कुछ लोग आप पर ऐसी बातें बोलने का दबाव भी डालते हैं, जो आप कहना नहीं चाहते। कुछ पत्रकारों ने तो मुझे पैसे ऑफर किए ताकि मैं उनके (विराट कोहली) बारे में गलत बातें कहूं और ऐसे आरोप लगाऊं, जो उन्होंने कभी किए ही नहीं।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन मैं ऐसा क्यों करूंगी? मैंने खुद कहा था कि वो मेरे फेवरेट क्रिकेटर हैं। फिर मैं पैसों के लिए उनके बारे में गलत बातें क्यों बोलूं?

सी सेक्शन डिलीवरी के बाद कर लें इन कामों से तौबा, वरना बढ़ जाएगी परेशानी!

डिलीवरी के बाद महिलाओं को अपना खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। खासकर बात जब सिजेरियन डिलीवरी की हो तो। इसमें बच्चे को निकालने के लिए पेट पर बड़ा से कट लगाया जाता है, टांके का ख्याल रखने की जरूरत होती है। वहीं जंक फूड और तले–भूने से खाने को दूर रहने को भी कहा जाता है, जिससे टांके और जख्म पर असर न पड़े, ये परहेज

लगभग 6 महीने तक चलते है। सी सेक्शन डिलीवरी के बाद बहुत ऐसी चीजें हैं, जिससे आपको परहेज करना चाहिए। आइए जानते हैं इसके बारे में...

साबुन

सिजेरियन डिलीवरी के बाद कुछ दिनों तक साबुन का इस्तेमाल ना करें। अगर बहुत ज्यादा जरूरी हो तो नरम साबुन का इस्तेमाल करें और सी–सेक्शन वाले घाव से इसे दूर रखें।

छींक या खांसी

सी–सेक्शन होने के बाद रिकवरी के दौरान छींक या खांसी आपके पेट में दर्द में बढ़ा सकती है, साथ ही टांके खुलने की भी संभावना बढ़ जाती है। वहीं टांके दोबारा करने पर तकलीफ दोगुनी हो जाती है और इससे आपका शरीर भी खराब होता है। अगर आप तेज पीच में बात करती हैं तो ख्याल रखें कि आप अभी कुछ दिन ऐसे बात न करें। जितना हो सके धीरे ही बोलें, क्योंकि आपके तेज बोलेने या जोर से हंसने से सी–सेक्शन पर सीधा असर होता है। जिससे आपको बर्दाश्त न कर पाने वाला तेज दर्द हो सकता है, या कोई और दिक्कत भी हो सकती है।

पहने आरामदायक कपड़े

सी–सेक्शन के बाद जितना हो सके टाइट कपड़ो से दूर रहें। कपड़े का इितपब से घाव वाली जगह पर खुजली या रेशेज जैसी परेशानी हो सकती है। जितना हो सके ढीले और आरामदायक कपड़े पहनें। घर पर नर्सिंग गाउन भी पहन सकती हैं। इससे आपके सी–सेक्शन के घाव पर भी कोई असर नहीं होगा।

भारी सामाना न उठाएं

ज्यादा चहल–कदमी करने से आपके पेट की मांसपेशियों को तनाव हो सकता है तो ऐसा करने से बचें। क्योंकि यह घाव को ठीक करने में दिक्कत दे सकती है। साथ ही यह बाद में होने वाली हार्निया के खतरे को भी बढ़ा सकती है। इसीलिए, सिजेरियन बेबी होने पर मां को आगे झुकने और भारी वजन उठाने के लिए मना किया जाता है। साथ ही सीढ़ियां बिल्कुल भी नहीं चढ़नी चाहिए। अगर आपका घर दो मंजिला है, तो उनमें से एक पर ही आप रहें, ऊपर–नीचे ना करें। खुद को आराम दें।

डाइट का भी रखें ख्याल

आप ऐसी चीज न खाएं जो आपके पेट में गैस बना दे। इसके साथ ही आप कब्ज करने वाले खाने से भी परहेज करें। इस दौरान आपको खान का विशेष ख्याल रखना चाहिए, हो सके तो अपनी डाइट चार्ट डॉक्टर से ले लें।

नोट– सी–सेक्शन डिलीवरी के बाद किन चीजों से परहेज करना चाहिए, इसकी आपको बेहतर सलाह एक्सपर्ट दे पाएंगें।

पीसीओएस होने पर जरूर खाएं ये ४ न्यूट्रीएंट्स , इन चीजों को खाने से कंट्रोल में रहेगी प्रॉब्लम

पॉलिसिस्टिक ओवेरी सिंड्रोम एक ऐसी स्थिति है जो अनियमित पीरियड्स का कारण बनती हैं। इस बीमारी के कारण मासिक ऑव्यूलेशन अनियमित हो जाता है एण्ड्रोजन का स्तर बढ़ने लगता है। करीबन 5–10: महिलाएं इस खतरनाक बीमारी से जूझ रही है। अच्छी डाइट, हैल्दी लाइफस्टाइल के साथ आप इसे मैनेज कर सकते हैं। डाइटिशियन गरिमा के अनुसार, आप इन 4 न्यूट्रीएंट्स को अपनी डाइट में शामिल करके पीसीओएस जैसी समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

जिंक

जिंक कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फैट्स को तोड़ने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। पीसीओएस में इंसुलिन प्रतिरोध ा एक ऐसी समस्या है जो टाइप 2 डायबिटीज के मुख्य कारण बन सकता है। जिंक का सेवन करने से शरीर में इंसुलिन जैसा प्रभाव पैदा होता है और इससे हाइपरग्लेसेमिया का खतरा कम होता है। जिंक शरीर में इंसुलिन का उत्पादन करने और उसे एकत्रित करने में मदद करता है। सप्लीमेंट्स के अलावा आप हॉल ग्रेन्स, बीन्स, नट्स, पॉलिटिरी और मीट के जरिए आप इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

मैग्नीशियम

मैग्नीशियम महिलाओं की कई स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने में मदद करता है। हालांकि यह पीसीओएस को सही नहीं कर सकता परंतु इस दौरान होने वाला मूड स्विंग्स, सूजन, नींद न आना पीरियड्स क्रैंप्स जैसी समस्याओं से राहत दिलवा सकता है। मैग्नीशियम ग्लूकोज और इंसुलिन को विनियमित करने में भी मदद करता है और इंसुलिन की संवेधदनशीलता में भी सुधार करता है। डॉर्क चॉकलेट, हरी पत्तेदार सब्जियां, बीन्स, फलियां, सोयाबीन के जरिए इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

ओमेगा–3 फैटी एसिड

ओमेगा–3 फैटी एसिड पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड होते हैं जो मुख्य तौर पर नट्स जैसे बादाम, अखरोट, पिस्ता, सूरजमुखी के बीज, कद्दू के बीज और वसायुक्त मछलियों में मौजूद होता है। ओमेगा–3 में एंटीऑक्सीडेंट्स गुण पाए जाते हैं जो पीसीओएस में होने वाली सूजन दूर करने में मदद करते हैं। इसके अलावा कई अध्ययनों से यह बात साबित होती है कि ओमेगा–3 फैटी एसिड्स इंसुलिन प्रतिरोध को कम करने में भी मदद करते हैं। पीसीओएस के कारण शरीर के मेटाबॉल्जिम स्तर में भी समस्या आ सकती है। इसके अलावा यदि आपका कोलेस्ट्रॉल बढ़का है तो ओमेगा–3 का सेवन फायदेमंद साबित हो सकता है।

क्रोमियम

क्रोमियम को आप अपनी डाइट में शामिल करके पीसीओएस को कंट्रोल में कर सकते हैं। कई शोधों से इस बात का पता चला है कि पीसीओएस वाली महिलाओं में क्रोमियम का स्तर कम होता है जिसके कारण इंसुलिन प्रतिरोध की संभावना बढ़ जाता है। वैसे तो ज्यादातर लोग क्रोमियम को सप्लीमेंट्स के जरिए प्राप्त करते हैं लेकिन आप नट्स, मसाले, हॉल ग्रेन और मीट को अपनी डाइट में शामिल करके पा सकते हैं।

(डाइटिशियन गरिमा)

शिशु को गोद उठाने से लेकर डायपर चेंज करने तक, पहली बार माता-पिता बनने से पहले याद रखें ये बातें

मां बनना हर महिला के लिए एक खूबसूरत एहसास है। उनकी खुशी को बयां नहीं किया जा सकता। लेकिन पहली बार मां बनने वाली कई महिलाओं को ये मालूम ही नहीं होता कि उनको बच्चे की देखभाल कैसे करनी चाहिए। ऐसे समय में सबसे अच्छा होता है कि आप इस विषय पर घर की किसी भी बुजुर्ग महिला से बात करें। साथ ही हमारे दिए गए इन टिप्स को ध्यान से पड़े। तो चलिए जानते है इनके बार में।

ऐसे करें नवजात शिशु की देखभाल

1 मां बनने के बाद बच्चे को प्यार के साथ–साथ स्किन टच की भी जरूरत होती है। बच्चे को प्यार से सीने से लगाएं, उसके माथे पर हल्का टच करें और धीरे–धीरे सहलाएं।

2 शिशु मस्तिष्क के विकास के लिए मां को चाहिए उससे थोड़ी –थोड़ी बातें जरूर करें।

3 शिशु का समय–समय पर डायपर चेक करते रहें। क्योंकि जब डायपर ज्यादा गंदा हो जाता है तो इंफेक्शन या एलर्जी होने की सम्सया बढञ जाती है।

4 बेबी फिडिंग बोतल को साफ करने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करें। इसके बाद ही शिशु को दूध पिलाएं।

5 नवजात शिशु की स्किन बहुत ही नाजुक और सेंसिटिव होती है। जन्म के लगभग तीन हफ्ते के अंदर शिशु की अम्बिलिकल कॉर्ड गिर जाती है। इससे पहले शिशु को स्पंज बाथ ही दिया जाता है। जब तक शिशु की अम्बिलिकल कॉर्ड गिर न जाये तब तक उसे न नहलाएं।

बच्चे को हिलाने से मस्तिष्क में रक्तस्राव हो सकता घातक

6 शिशु को उठाते हाथ से सहारा देना शिशु को संभालने का एक सुरक्षित तरीका है।

7 बच्चे को पानी में रखने से पहले, पानी का तापमान जांचना सुनिश्चित करें क्योंकि ज्यादा गर्म पानी के लिए सही नहीं है।

8 खेलते समय बच्चे को हिलाने से मस्तिष्क में रक्तस्राव हो सकता है जो घातक हो सकता है। यहां तक घ्कि जब बच्चे को जगाने का समय हो, तो पैरों को हल्के से गुदगुदी करने से शिशु जाग जाएगा।

9 छोटे बच्चे को संभालने से पहले अपने हाथों को धोना सुनिश्चित करें या कम से कम एक सैनिटाइजर का उपयोग करें।

10 नवजात शिशु के लिए मां का दूध ही सर्वोत्तम माना जाता है। मां को बच्चे को तब तक दूध पिलाना चाहिए, जब तक वह पूरी तरह से संतुष्ट न हो जाए।

पीरियड्स के दौरान मिलनी चाहिए छुट्टी...73 फीसदी वर्किंग महिलाओं की यही है डिमांड

हालिया सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 73 फीसदी महिलाएं चाहती हैं कि कंपनियां उन्हें मासिक धर्म की छुट्टी लेने की अनुमति दें, जबकि 86.6 फीसदी कार्यस्थल को मासिक धर्म के अनुकूल बनाने के पक्ष में हैं, जहां उनके लिए स्वच्छता और सहायक बुनियादी ढांचा उपलब्ध हो। दुनिया में कई देश और भारत की कई कंपनियां अपनी इंप्लॉइज को पीरियड्स लीव देते हैं, लेकिन सभी जगह नहीं मिलती।

महिलाओं की स्वच्छता से जुड़े ब्रांड 'एवरटीन' द्वारा किए गए मासिक धर्म स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में यह भी पता चला है कि 71.7 प्रतिशत प्रतिभागी नहीं चाहतीं कि मासिक धर्म की छुट्टी का भुगतान किया जाए। उन्हें डर है कि इससे कंपनियां महिला कर्मचारियों को नौकरी देने में आनाकानी कर सकती हैं। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता, चेन्नई, पुणे, अहमदाबाद, लखनऊ और पटना समेत कई शहरों में किए गए सर्वेक्षण में 18 से 35 वर्ष की आयु की लगभग 10,000 महिलाओं ने भाग लिया। 28 मई को वैश्विक मासिक धर्म स्वच्छता दिवस से पहले यह सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की गई है। सर्वे में कहा गया है, "73 प्रतिशत महिलाएं चाहती हैं कि कंपनियां उन्हें मासिक धर्म की छुट्टी लेने की अनुमति दें, जबकि इनमें से 71.7 प्रतिशत महिलाएं नहीं चाहतीं कि इनका भुगतान किया जाए।" सर्वे के अनुसार इसके अलावा, 86.6 प्रतिशत महिलाएं मासिक धर्म के अनुकूल कार्यस्थल की अवधारणा के पक्ष में हैं जहां महिलाएं इस विषय पर खुलकर चर्चा करने में संकोच न करें, और महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता व सहायक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा, 68.9 प्रतिशत महिलाओं ने मासिक धर्म के दौरान काम से छुट्टी दिए जाने का समर्थन किया।" पैन हेल्थकेयर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) चिराग पान ने कहा– "कॉरपोरेट क्षेत्र को मासिक धर्म के अनुकूल कार्यस्थल के तरीके अपनाने को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।" उन्होंने कहा, "हमारे सर्वेक्षण से पता चलता है कि केवल 5.2 प्रतिशत महिलाएं अपने प्रबंधक के साथ मासिक धर्म के बारे में चर्चा करने में सहज महसूस करती हैं, जबकि 39.9 प्रतिशत महिलाएं कार्यस्थल पर अपनी महिला सहयोगियों के साथ भी मासिक धर्म के बारे में चर्चा करना पसंद नहीं करतीं।" 'वेट एंड ड्राई पर्सनल केयरश के सीईओ हरिओम त्यागी ने कहा– 2022 के सर्वे की तरह इस साल के सर्वे में भी यह बात सामने आई है कि 50 फीसदी से ज्यादा महिलाएं अपने मासिक धर्म के पहले दो दिन में ठीक से सो नहीं पाती हैं और 63.6 प्रतिशत महिलाओं ने मासिक धर्म से संबंधित भीषण दर्द सहन किया।

संक्षिप्त

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भारतीय कुश्ती महासंघ ने भी बदला फैसला, विनेश फोगाट की 53 किग्रा ट्रायल्स में एंट्री

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट को आखिरकार बड़ी राहत मिल गई है। भारतीय कुश्ती महासंघ ने अपना रुख बदलते हुए उन्हें एशियाई खेलों के चयन ट्रायल्स में महिलाओं के 53 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दे दी है। शनिवार सुबह आधिकारिक वजन माप के दौरान विवाद तब शुरू हुआ जब विनेश को बताया गया कि उन्हें केवल 50 किलोग्राम वर्ग में ही ट्रायल्स खेलने की अनुमति होगी। महासंघ का तर्क था कि विनेश ने अपने पिछले चार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट, जिनमें पेरिस ओलंपिक भी शामिल है, 50 किलोग्राम वर्ग में खेले हैं। महासंघ के इस फैसले पर विनेश ने कड़ा विरोध जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें अपनी पसंद के भार वर्ग में खेलने का अवसर नहीं देकर भेदभाव किया जा रहा है। मामले ने जल्द ही तूल पकड़ लिया और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सूत्रों के मुताबिक, विवाद बढ़ने के बाद WFI अध्यक्ष संजय सिंह को हस्तक्षेप करना पड़ा। इसके बाद महासंघ ने अपना फैसला बदला और विनेश को 53 किलोग्राम वर्ग के ट्रायल्स में भी शामिल होने की अनुमति दे दी। संजय सिंह ने कहा, हमने उन्हें अनुमति दे दी क्योंकि उन्होंने आपत्ति जताई और अधिकारियों से उनका वजन लेने को कहा। हम किसी के साथ भेदभाव नहीं करना चाहते। उन्होंने पहले यह नहीं बताया था कि वह किस भार वर्ग में खेलना चाहती हैं, फिर भी हमने उन्हें मौका दिया है। फैसला बदलने के बाद विनेश का वजन 53.9 किलोग्राम दर्ज किया गया और उन्हें 53 किलोग्राम वर्ग के ड्रॉ में शामिल कर लिया गया। इससे अब इस वर्ग की प्रतिस्पर्धा और रोमांचक हो गई है। इस वर्ग में पहले से ही भारत की उभरती हुई पहलवान अंतिम पंघाल और तेजी से आगे बढ़ रही मीनाक्षी गोयत मौजूद हैं। ऐसे में एशियाई खेलों के टिकट के लिए मुकाबला बेहद कड़ा रहने वाला है। ट्रायल्स की तैयारी के दौरान मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में विनेश ने अपने भविष्य को लेकर स्पष्ट संदेश भी दिया। उन्होंने कहा, मैं यहां कम से कम दो साल और हूं। यह मामला पहले ही चर्चा का विषय बन चुका था। हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट ने WFI को निर्देश दिया था कि विनेश फोगाट को आइकॉनिक खिलाड़ी मानते हुए एशियाई खेलों के चयन ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी जाए। हालांकि महासंघ का कहना था कि विनेश ने भार वर्ग बदलने की कोई औपचारिक जानकारी नहीं दी थी, इसलिए उन्हें केवल 50 किलोग्राम वर्ग में ही माना जा रहा था। लेकिन अंततः WFI को अपना रुख नरम करना पड़ा। विनेश अपने करियर में 53 किलोग्राम सहित कई भार वर्गों में खेल चुकी हैं और इस बार भी वह इसी वर्ग में चुनौती पेश करना चाहती थीं। ट्रायल्स का विजेता इस वर्ष होने वाले एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। WFI के फैसले के बाद कई घंटों तक चला असमंजस समाप्त हो गया है और अब भारत की सबसे सफल महिला पहलवानों में से एक विनेश फोगाट एशियाई खेलों में जगह बनाने की दौड़ में मजबूती से बनी हुई हैं।

पश्चिम एशिया विवाद के बावजूद भारत की उपलब्धि, अप्रैल में सर्विस एक्सपोर्ट 12.7प्रतिशत उछला

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रहे भारी तनाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी जबरदस्त ताकत दिखाई है। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल महीने में भारत के सर्विसेज व्यापार में आयात और निर्यात, दोनों मोर्चों पर शानदार विस्तार देखने को मिला है। इस तेजी ने स्पष्ट कर दिया है कि भू–राजनीतिक झटके भी फिलहाल भारत के सेवा क्षेत्र की रफ्तार को धीमी नहीं कर पा रहे हैं। एक्सपोर्ट में बड़ा उछालरू अप्रैल में भारत के सेवा क्षेत्र का निर्यात 12.7 प्रतिशत की जोरदार ग्रोथ के साथ 37.021 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। साल की सबसे बड़ी ग्रोथ– व्यापार के मोर्चे पर मिली यह सफलता इसलिए भी अहम है क्योंकि यह इस पूरे कैलेंडर वर्ष में दर्ज की गई सबसे अधिक ग्रोथ है।

व्यापार में यह शानदार ग्रोथ ऐसे समय में दर्ज की गई है, जब पश्चिम एशिया में लगातार भू–राजनीतिक तनाव बना हुआ है। इस वैश्विक संकट ने न सिर्फ दुनिया भर के देशों की आर्थिक गतिविधियों को बुरी तरह प्रभावित किया है, बल्कि इसके कारण भारतीय मुद्रा की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है। इन तमाम विपरीत वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारतीय निर्यातकों ने अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की इस मजबूती का विस्तार से जिक्र आरबीआई ने अपनी 2025–26 की वार्षिक रिपोर्ट में भी किया है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक नीतियों से जुड़ी भारी अनिश्चितताओं और भू–राजनीतिक तनावों के बीच भी भारत का बाहरी क्षेत्र व्यापक रूप से मजबूत और लचीला बना हुआ है। आरबीआई ने इस मजबूती के पीछे तीन बड़े कारणों को मुख्य रूप से जिम्मेदार बताया है– कुल मिलाकर, पश्चिम एशिया का संकट और रुपये की कमजोरी भी भारत के सर्विस सेक्टर के मजबूत पहियों को रोक नहीं पाई है। निर्यात बाजार में लाई गई रणनीतिक विविधता, स्थिर रेमिटेंस और व्यापार घाटे को संतुलित करता सर्विस सेक्टर भारत की समग्र अर्थव्यवस्था को बाहरी झटकों से बचाने के लिए एक शॉक एब्जॉर्बर का काम कर रहा है। आने वाले समय में भी मजबूत वैश्विक मांग के दम पर सर्विस सेक्टर देश की आर्थिक विकास दर को स्थिरता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

क्या अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार हैं वैभव सूर्यवंशी? कोच संगकारा ने 15 साल के बैटर के लिए कहा ये

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स का सफर क्वालिफायर–2 में समाप्त हो गया, लेकिन टीम के युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पूरे टूर्नामेंट के सबसे बड़े आकर्षण बनकर उभरे। गुजरात टाइटंस के खिलाफ सात विकेट की हार के बाद राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने वैभव को लेकर ऐसा बयान दिया, जिसने भारतीय क्रिकेट जगत में नई चर्चा छेड़ दी है। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगकारा से पूछा गया कि क्या वैभव सूर्यवंशी अब भारतीय सीनियर टीम में पदार्पण के लिए तैयार हैं। इस सवाल पर पूर्व श्रीलंकाई कप्तान ने बिना किसी हिचक के सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। संगकारा ने कहा, श्मुझे लगता है कि कोई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार है या नहीं, यह तब तक पूरी तरह पता नहीं चलता जब तक वह मैदान पर उतरकर नहीं खेलता। लेकिन वैभव ने इस आईपीएल में दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों के खिलाफ जो प्रदर्शन किया है, उसे देखकर मैं कह सकता हूं कि वह किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। मुझे पूरा विश्वास है कि उसे बहुत जल्द भारतीय टीम से बुलावा मिलेगा।

उन्होंने वैभव की बल्लेबाजी की भी जमकर तारीफ की। संगकारा के अनुसार युवा बल्लेबाज ने पूरे सत्र में शानदार परिपक्वता दिखाई और टीम के लिए ओपनिंग साझेदारी की जिम्मेदारी बखूबी निभाई। सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी राजस्थान रॉयल्स का सपोर्ट स्टाफ वैभव को सही दिशा देने का प्रयास कर रहा है। सोशल मीडिया के दौर में युवा खिलाड़ियों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए संगकारा से पूछा गया कि टीम वैभव को नकारात्मकता से कैसे बचाती है। इस पर उन्होंने कहा, हमने उसके लिए एक अच्छी योजना तैयार की है। हम उसके दिमाग में अनावश्यक बातें नहीं भरते। वह हमारी सभी टीम मीटिंग्स में शामिल होता है, अपनी राय देता है और ध्यान से सुनता भी है। वह काफी मेहनत करता है, गेंदबाजों का अध्ययन करता है, उनके वीडियो देखता है और मैच से पहले अच्छी तैयारी करता है। हम चाहते हैं कि उसका दिमाग साफ रहे और वह उसी निडरता के साथ बल्लेबाजी करे, जिसके लिए वह जाना जाता है। वैभव ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए और फिलहाल ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाए हुए हैं। हालांकि गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल और साई सुदर्शन के पास फाइनल में उनसे आगे निकलने का मौका रहेगा। भले ही राजस्थान रॉयल्स खिताब की दौड़ से बाहर हो गई हो, लेकिन वैभव सूर्यवंशी ने अपने प्रदर्शन से यह साबित कर दिया है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। अब सभी की नजरें चयनकर्ताओं पर टिकी होंगी कि क्या इस युवा सितारे को जल्द ही टीम इंडिया की जर्सी पहनने का मौका मिलता है।

फोंसेका ने किया बड़ा उलटफेर, जोकोविच फ्रेंच ओपन से बाहर, टूर्नामेंट को मिलेगा नया चैंपियन

नई दिल्ली,एजेंसी। फ्रेंच ओपन 2026 में शुक्रवार को ऐसा नतीजा देखने को मिला जिसने टेनिस जगत को चौंका दिया। 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच तीसरे दौर में ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका से हारकर बाहर हो गए। रोलां गैरो के कोर्ट पर खेले गए इस मुकाबले में जोकोविच ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले दो सेट 6–4, 6–4 से अपने नाम किए थे। ऐसा लग रहा था कि अनुभवी खिलाड़ी आसानी से अगले दौर में पहुंच जाएंगे, लेकिन इसके बाद मैच पूरी तरह बदल गया। फोंसेका ने जबरदस्त वापसी करते हुए अगले तीन सेट 6–3, 7–5 और 7–5 से जीत लिए और पांच सेट तक चले इस मुकाबले में बड़ा उलटफेर कर दिया। इस साल जोकोविच के पास इतिहास रचने का सुनहरा अवसर था। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुके थे, जबकि गत चौंपियन कार्लोस अल्काराज चोट के कारण भाग नहीं ले सके। ऐसे में माना जा रहा था कि जोकोविच रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीत सकते हैं। लेकिन फोंसेका के हाथों मिली हार के साथ उनकी यह उम्मीद भी खत्म हो गई।

जोकोविच की विदाई के साथ ही यह भी तय हो गया कि पेरिस में इस बार पुरुष एकल वर्ग को एक नया ग्रैंड स्लैम चौंपियन मिलेगा। ओपन एरा में यह पहला मौका होगा जब फ्रेंच ओपन के अंतिम–16 दौर में कोई पूर्व पुरुष ग्रैंड स्लैम विजेता मौजूद नहीं होगा। हार के बाद सबसे बड़ा सवाल उनके भविष्य को लेकर उठा।

39 वर्षीय जोकोविच से पूछा गया कि क्या यह फ्रेंच ओपन में उनका आखिरी मैच था और क्या वे अगले साल वापसी करेंगे? इस पर उन्होंने स्पष्ट जवाब देने से इनकार कर दिया। जोकोविच ने कहा, श्मुझे नहीं पता। जब उनसे दोबारा पूछा गया कि क्या वह फ्रेंच ओपन में अपने करियर का अंत करने के लिए तैयार हैं, तब भी उनका जवाब वही रहा। उन्होंने कहा, श्मुझे नहीं पता। इसके बाद उन्होंने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा, अभी इस बारे में सोचना काफी मुश्किल है, आप लोग मेरी स्थिति समझ सकते हैं। मैच के बाद जोकोविच ने रोलां गैरो के दर्शकों का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्वीकार किया कि मुकाबले के अंतिम चरण में शारीरिक रूप से उन्हें काफी परेशानी हो रही थी।

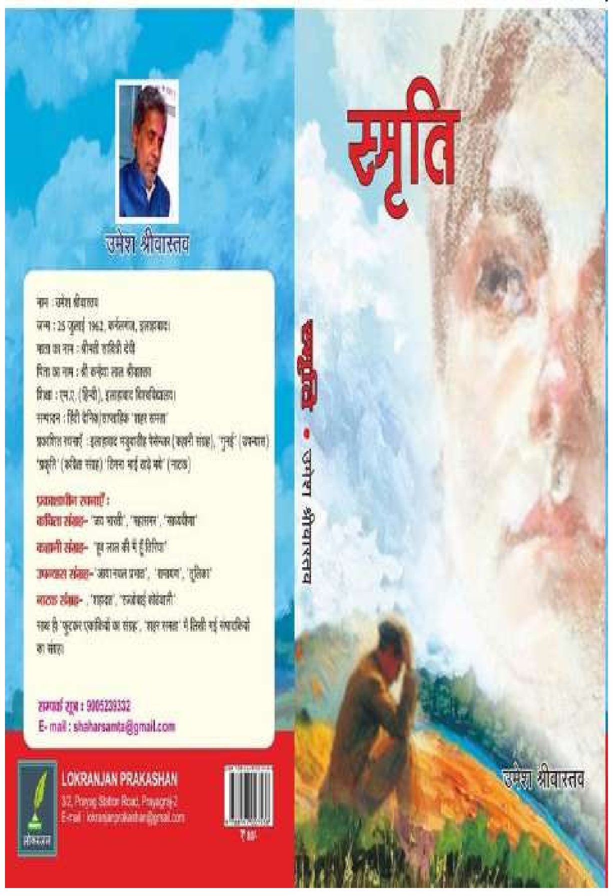

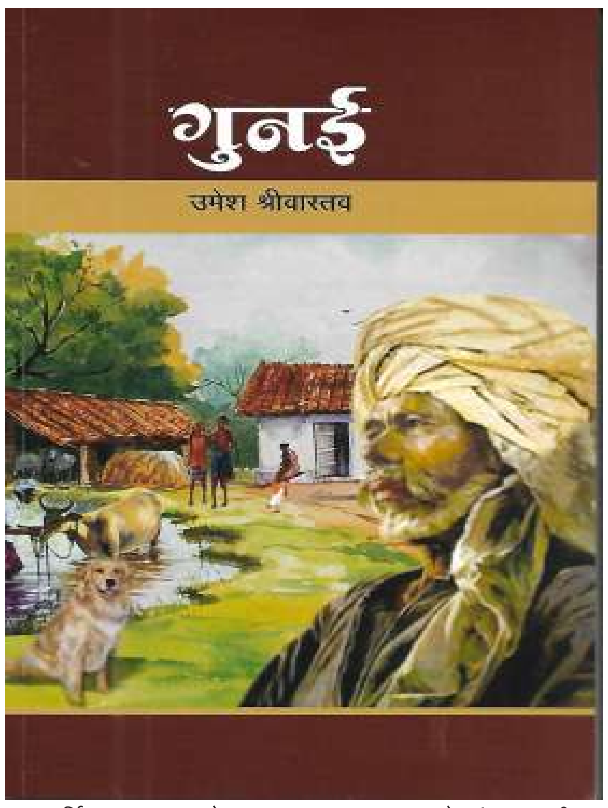

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

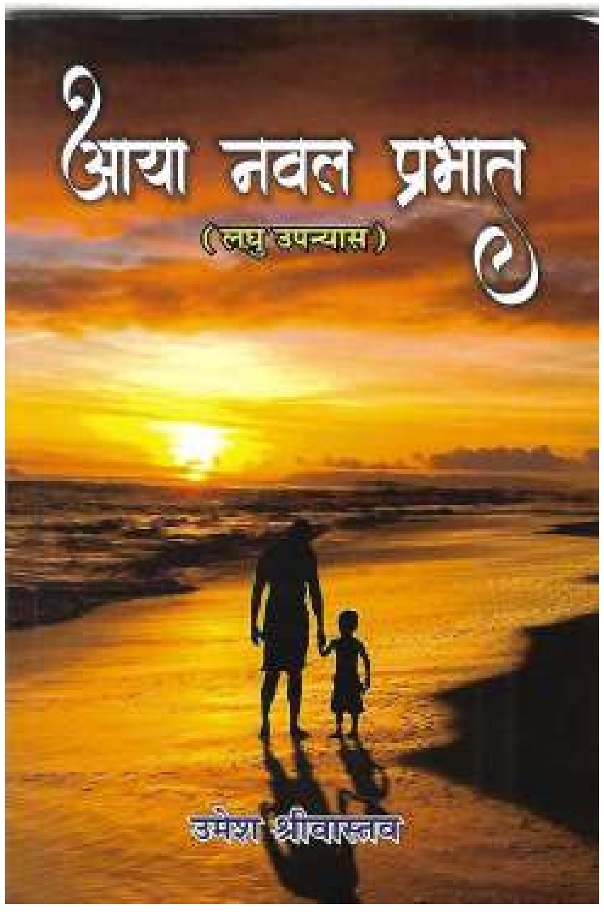

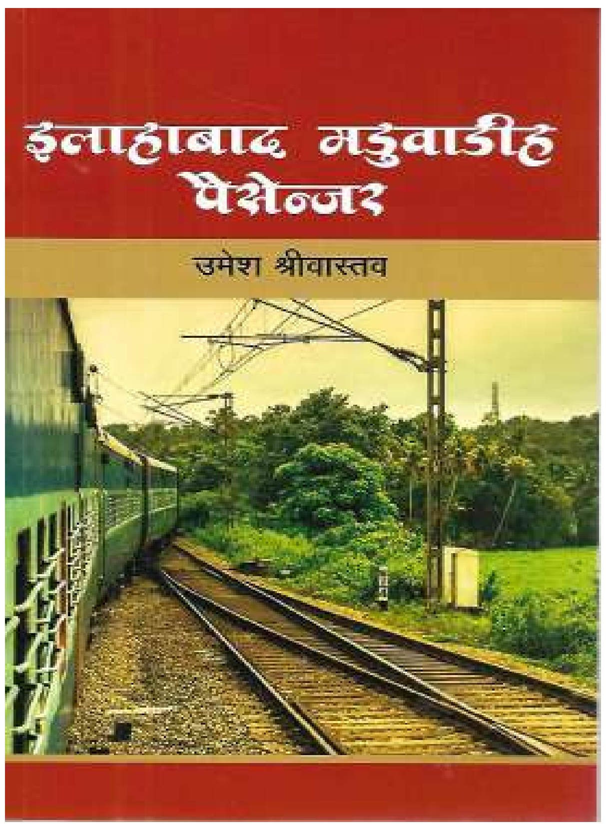

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

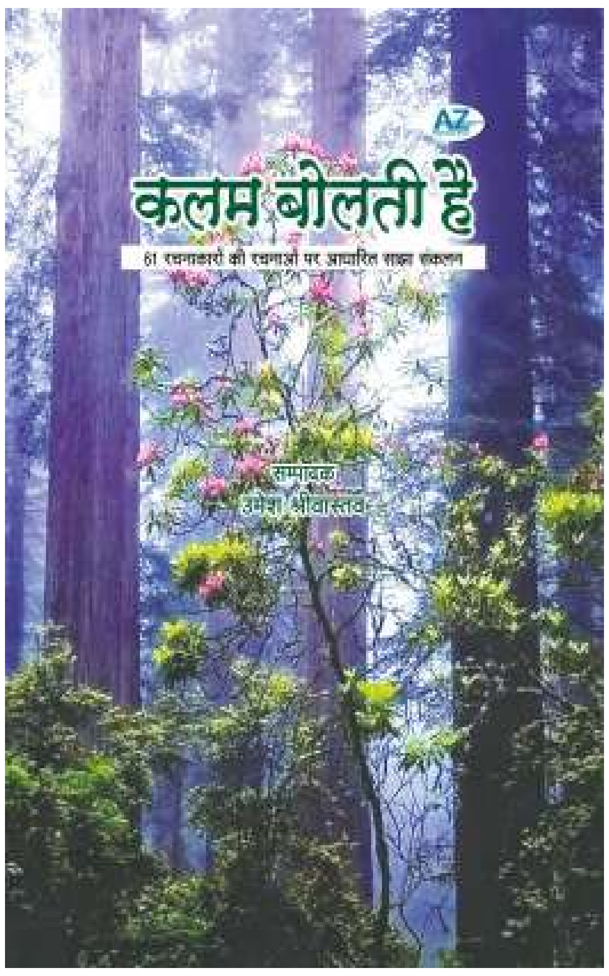

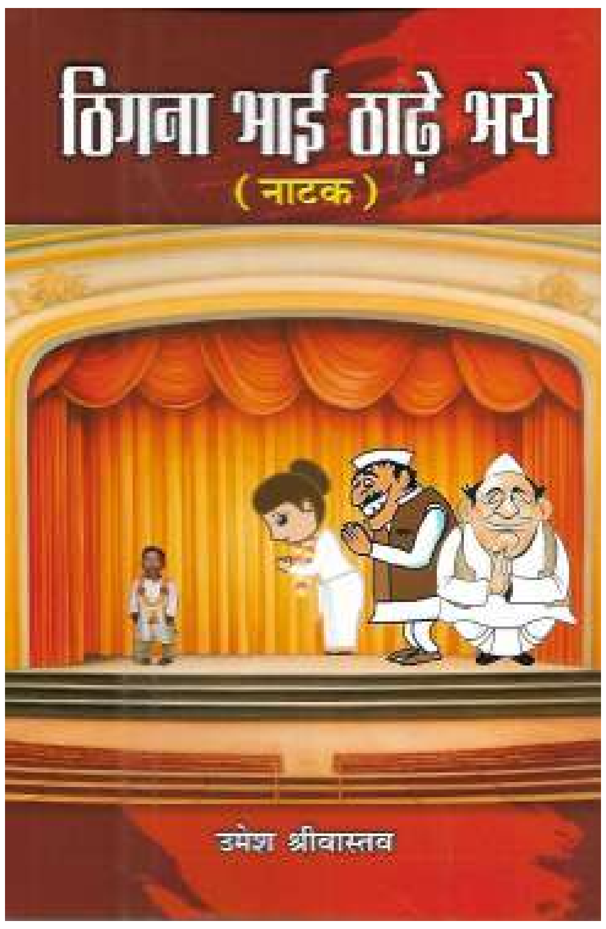

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

परमाणु और होर्मुज संकट पर टली बड़ी घोषणा, अंतिम फैसले का अब भी इंतजार

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक बड़ी बैठक की। यह बैठक सिचुएशन रूम में हुई। इसमें ट्रंप ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ चर्चा की। इस बैठक में ईरान के साथ चल रहे तनाव पर बात हुई। दो घंटे की इस बातचीत के बाद भी कोई अंतिम फैसला नहीं हो पाया। दोनों देशों के बीच युद्धविराम बढ़ाने को लेकर बातचीत चल रही है। इसके साथ ही होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने पर भी चर्चा हो रही है। ईरान ने कहा है कि यह सौदा अभी पक्का नहीं हुआ है। इस बैठक से पहले ट्रंप ने एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में अंतिम फैसला लेना चाहते हैं। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बैठक की जानकारी दी। उन्होंने समाचार एजेंसी एपी को नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ट्रंप अपनी शर्तों पर ही समझौता करेंगे। वह ईरान के परमाणु मंसूबों को रोकना चाहते हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा कि ईरान को यह मानना होगा कि वह कभी परमाणु बम नहीं बनाएगा। ईरान के पास अभी 440.9 किलोग्राम संवर्धित यूरेनियम का भंडार है। यह 60 प्रतिशत तक शुद्ध है। परमाणु हथियार बनाने के लिए 90 प्रतिशत शुद्धता चाहिए होती है। ट्रंप चाहते हैं कि इस सामग्री को जमीन से खोदकर निकाला जाए। फिर इसे पूरी तरह नष्ट कर दिया जाए। नए समझौते में होर्मुज जलमार्ग को खोलना सबसे बड़ी शर्त है। यह दुनिया का एक बहुत ही महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। ईरान को 30 दिनों के भीतर यहां से सभी समुद्री बारूदी सुरंगे हटानी होंगी। ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर कोई टैक्स नहीं लगा पाएगा। इसके बदले में अमेरिका ईरान के बंदरगाहों से नाकेबंदी हटाएगा। अमेरिका प्रतिबंधों में भी ढील देगा ताकि ईरान अपना तेल बेच सके। इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर एक अचानक हमला किया था। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता और अन्य अधिकारी मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने इस रास्ते को बंद कर दिया था। पहले यहां से रोज 100 से ज्यादा जहाज निकलते थे। अब सिर्फ दो दर्जन जहाज ही निकल पाते हैं। ईरान ने यहां टैक्स वसूलने के लिए एक नई एजेंसी बनाई है। इस वजह से अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। ट्रंप ने ओमान को भी इस मामले में दूर रहने की चेतावनी दी है। ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालीबाफ ने अमेरिका पर भरोसा करने से इनकार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि हम बातचीत से नहीं बल्कि मिसाइलों से रियायतें हासिल करते हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि उनका ध्यान अभी सिर्फ युद्ध खत्म करने पर है। वे परमाणु योजना पर बात नहीं कर रहे हैं। ईरान चाहता है कि लेबनान में हिजबुल्ला और इस्राइल के बीच भी लड़ाई रुके। इसके साथ ही ईरान अपनी फ्रीज की गई अरबों डॉलर की रकम भी वापस चाहता है। ईरान की संसद के एक वरिष्ठ नेता इब्राहिम अजीजी ने साफ कहा कि हम कैश के बदले कैश की नीति पर ही काम करेंगे। फिलहाल दोनों देशों के बीच सात हफ्तों से युद्धविराम जारी है। दोनों तरफ से छोटे–मोटे हमले और आरोप–प्रत्यारोप चल रहे हैं। लेकिन फिर भी दोनों पक्ष बातचीत की मेज पर बने हुए हैं।

दशकों बाद इस्राइल–लेबनान की सीधी सैन्य वार्ता, पेंटागन में शांति प्रयासों पर चर्चा

इस्राइल और लेबनान के बीच जारी संघर्ष के बीच शुक्रवार को इस्राइली सैनिक दक्षिणी लेबनान के दिब्बीन गांव में दाखिल हो गए। इससे उनका अभियान देश के भीतर और आगे बढ़ गया। इसी दौरान इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पांच लोगों की मौत देइर कानौन अल नहर और अब्बासियेह गांवों पर हुए हवाई हमले में हुई, जबकि एब्बा गांव में एक नगरपालिका पुलिसकर्मी की जान चली गई। उधर, वॉशिंगटन स्थित पेंटागन में लेबनान और इस्राइल के सैन्य अधिकारियों के बीच दशकों बाद पहली प्रत्यक्ष सैन्य वार्ता हुई। छह सदस्यीय लेबनानी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने इस्राइली अधिकारियों से मुलाकात की। पेंटागन ने वार्ता को सकारात्मक बताया और कहा कि इसमें क्षेत्रीय सुरक्षा व स्थिरता के लिए व्यावहारिक ढांचे तैयार करने पर चर्चा हुई। वार्ता के निष्कर्ष अगले सप्ताह अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा राजनीतिक नेताओं के साथ होने वाली बातचीत का आधार बनेंगे। लेबनानी प्रतिनिधिमंडल ने संघर्षविराम को व्यापक रूप से लागू करने और 2024 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम की निगरानी करने वाली समिति को फिर से सक्रिय करने की मांग रखी। लेबनानी अधिकारियों ने यह भी कहा कि संघर्षविराम के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद सीमा पर लेबनानी सेना की तैनाती और दक्षिणी लेबनान से इस्राइली सैनिकों की वापसी जैसे मुद्दों पर बातचीत हो सकती है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बातचीत में कहा कि किसी भी अन्य मुद्दे पर आगे बढ़ने से पहले संघर्षविराम का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

चीन के परमाणु हथियार अब यूएस की पहुंच से दूर, सैटेलाइट से खुलासा, रेगिस्तान में तैयार किया तबाही का सामान

बीजिंग,एजेंसी। माना जा रहा है कि इस निर्माण का उद्देश्य चीन की परमाणु क्षमता को बढ़ाना और किसी भी संभावित हमले से बचाना है। चीन के रेगिस्तानी क्षेत्रों में हो रहा यह विकास, अमेरिका और बीजिंग के बीच बढ़ती परमाणु प्रतिस्पर्धा को साफ दर्शाता है। खासकर ताइवान की संप्रभुता जैसे मुद्दों पर तनाव बढ़ने के साथ यह और अहम हो गया है। चीन अपने परमाणु मिसाइल साइलो के पास एक विशाल सैन्य परिसर का निर्माण कर रहा है, जिसने सुरक्षा विशेषज्ञों को चौंका दिया है। उपग्रहों से प्राप्त हालिया तस्वीरों से पता चलता है कि बीजिंग अपने परमाणु मिसाइल साइलो के पास एक विस्तृत नेटवर्क तैयार कर रहा है, जिसमें लॉन्च पैड, बंकर और संचार केंद्र शामिल हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्माण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अमेरिका द्वारा चीन के परमाणु जखीरे पर किसी भी पहले हमले को बेअसर किया जा सके। इसके साथ ही चीन की जवाबी कार्रवाई की क्षमता भी सुरक्षित रहे। आइए सवाल–जवाब के रूप में जानते हैं कि चीन की इस तैयारी का क्या है मकसद?

सवाल– सैटेलाइट तस्वीरों में क्या दिखाई दिया है?

जवाब– रॉयटर्स की रिपोर्ट में सैटेलाइट तस्वीरों का हवाला देकर बताया गया है कि चीन दूरदराज के रेगिस्तानी इलाकों में एक विशाल सैन्य ढांचा तैयार कर रहा है। तस्वीरों में परमाणु मिसाइल साइलो के आसपास लॉन्च पैड, बंकर, संचार केंद्र और अन्य सैन्य सुविधाएं दिखाई देती हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यह नेटवर्क चीन की परमाणु क्षमताओं को सुरक्षित रखने और संचालित करने के लिए बनाया जा रहा है।

सवाल– किस इलाके में निर्माण कर रहा चीन?

जवाब– यह नया सैन्य ढांचा मुख्य रूप से शिनजियांग और गांसू प्रांत के इलाकों के पास विकसित किया जा रहा है। इन इलाकों में चीन की लंबी दूरी की परमाणु मिसाइलों के साइलो मौजूद हैं। इन साइलो को चीन की जमीन आधारित परमाणु शक्ति का मुख्य आधार माना जाता है।

सवाल– तस्वीरों में कौन–कौन सी नई संरचनाएं नजर आई हैं?

जवाब– तस्वीरों में 80 से अधिक ऐसे निर्माण दिखाई देते हैं, जिनका इस्तेमाल मोबाइल मिसाइल लॉन्चर और एयर डिफेंस सिस्टम के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा संभावित इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, सैटेलाइट कम्युनिकेशन और कमांड ऑपरेशन से जुड़ी सुविधाएं भी नजर आती हैं।

सवाल– इन निर्माण कार्यों को लेकर विशेषज्ञ क्या कह रहे हैं?

जवाब– हवाई स्थित पैसिफिक फोरम के एडजंक्ट फेलो अलेक्जेंडर नील ने कहा, हम देख सकते हैं कि यह बुनियादी ढांचा बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है, जो साइलो क्षेत्रों से परे हजारों वर्ग किलोमीटर रेगिस्तान को कवर करता है। उन्होंने कहा कि इसकी वास्तविक क्षमताओं पर बहुत कुछ निर्भर करेगा, लेकिन हम चीन की रणनीतिक परमाणु प्रतिरोधक क्षमता में काफी महत्वपूर्ण वृद्धि और विविधता देख रहे हैं।

सवाल– चीन के लिए इन साइलो की सुरक्षा इतनी महत्वपूर्ण क्यों है?

जवाब– चीन लंबे समय से न्यूनतम, लेकिन विश्वसनीय परमाणु रक्षा की नीति की बात करता रहा है।

पाकिस्तानी रिपोर्टर के सवाल पर इशाक डार का चौंकाने वाला रिएक्शन, वीडियो वायरल

वॉशिंगटन,एजेंसी। वॉशिंगटन में पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के बीच हुई मुलाकात के दौरान एक रिपोर्टर द्वारा पूछे गए सवाल से माहौल गरमा गया। रिपोर्टर ने पाकिस्तान से इस्राइल को मान्यता देने के बारे में सवाल किया। हालांकि, दोनों नेताओं ने ही इसका जवाब नहीं दिया और आगे बढ़ गए। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई अरब और मुस्लिम देशों से अब्राहम समझौते में शामिल होकर इस्राइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने का आग्रह किया था। यह ईरान संघर्ष को खत्म करने की दिशा में एक संभावित सौदे का हिस्सा माना जा रहा है। पाकिस्तान ने इस्राइल को देश के तौर पर मान्यता नहीं दी है। इसके साथ ही इस्राइल के साथ उसके कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं। वॉशिंगटन में डार और रूबियो की मुलाकात के दौरान द पाकिस्तान डेली के पत्रकार फैसल अली शाह ने ट्रंप की अपील के संबंध में एक सवाल पूछा। उन्होंने जोर से पूछा, क्या पाकिस्तान इजरायल को मान्यता देगा? दोनों नेताओं ने सवाल को अनसुना करते हुए कोई जवाब नहीं दिया। बैठक के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए इशाक डार ने कहा, पाकिस्तान फलस्तीन और गाजा को लेकर अपने रुख पर अडिग है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी नीतिगत बदलाव पर विचार करने से पहले इस्राइल को फलस्तीनी राज्य की स्थापना की ओर बढ़ना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले कहा था कि उन्होंने सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्किए, मिस्र और जॉर्डन से अब्राहम समझौते में सामूहिक रूप से शामिल होने का आग्रह किया था। इसी के साथ इस्राइल के साथ संबंध सामान्य करने पर भी जोर दिया था, ताकि ईरान संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक सौदे पर काम किया जा सके। पाकिस्तान ने इस सुझाव को अस्वीकार कर दिया। वहीं, अन्य देशों ने अब तक ट्रंप के आह्वान पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अब्राहम समझौते को ट्रंप की पहले कार्यकाल के दौरान वॉशिंगटन द्वारा इस्राइल और अरब देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के प्रयास के तहत तैयार किया गया था। संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और मोरक्को ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे इस्राइल के साथ राजनयिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंध खुले। सूडान को भी इसमें शामिल किया गया था, लेकिन उसने अभी तक औपचारिक संबंध स्थापित करने की प्रक्रिया पूरी नहीं की है।

अमेरिका की चीन को दो टूक, पीट हेगसेथ ने भारत को बताया ताकतवर देश

सिंगापुर,एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को कहा कि भारत एक ताकतवर देश है और अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के पास भारी औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षमता है, जो उसे उच्च–स्तरीय सैन्य अभियानों को बनाए रखने में सक्षम बनाती है। हेगसेथ ने सिंगापुर में शांगरी–ला संवाद के दौरान प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत खास तौर से हिंद महासागर क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए हुए है। शांगरी–ला संवाद में बोलते हुए उन्होंने जिक्र किया कि भारत उच्च–स्तरीय सैन्य अभियानों को बनाए रखने के लिए भारी औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षमता का निर्माण भी कर रहा है। हेगसेथ ने कहा, हमने क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ सह–उत्पादन को आगे बढ़ाने की भी प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने रक्षा क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर विनिर्माण के विस्तार की प्रक्रिया से गुजर रहा है। उन्होंने जापान, दक्षिण कोरिया, आसियान और ऑस्ट्रेलिया के साथ रक्षा–संबंधी संबंधों का भी आकलन किया। हेगसेथ ने क्षेत्र में अमेरिका की रक्षा रणनीति पर कई बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एशिया–प्रशांत दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इस क्षेत्र की सुरक्षा असंतुलित रूप से अमेरिकी सैन्य शक्ति पर टिकी हुई है। उन्होंने देशों से अपनी रक्षा में गंभीरता से निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में अमेरिका और चीन के संबंध कई वर्षों में सबसे बेहतर हैं। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि चीन सहित कोई भी देश अपना वर्चस्व थोप नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे देश और सहयोगियों की सुरक्षा पर प्रश्न चिह्न नहीं लगा सकता है। हेगसेथ ने वैश्विक तनाव, पश्चिम एशिया और यूरोप में चल रहे संघर्षों के बीच वॉशिंगटन का रुख बताया। इसके साथ ही इंडो–पैसिफिक में अमेरिका की दीर्घकालिक रणनीतिक प्राथमिकताओं पर बढ़ती अनिश्चितता को भी रेखांकित किया। बता दें कि शांगरी–ला संवाद दूसरे दिन में प्रवेश कर चुका है। इस वर्ष 44 देशों के शीर्ष अधिकारी एक साथ आए है।

तीन की मौत, सैन्य अभियान में हताहतों का आंकड़ा 200 के पार

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को पूर्वी प्रशांत महासागर में ड्रग तस्करी के संदेह में एक नौका पर एक और हमला किया। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई, जो इस सप्ताह का तीसरा हमला था। इस कार्रवाई के साथ ही इस अभियान में कुल हताहतों का आंकड़ा 200 से अधिक हो गया है। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में संदिग्ध ड्रग

नौकाओं के खिलाफ जारी महीनों लंबी कार्रवाई के तहत इस नए हमले का एलान किया। कमान के अनुसार, नौका नशीले पदार्थों की तस्करी में जुड़ी हुई थी और एक बड़े आतंकवादी संगठन द्वारा इस्तेमाल की जा रही थी। हालांकि, इस दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया गया। सैन्य सोशल मीडिया घोषणाओं में हमेशा हमलों के वीडियो शामिल होते हैं। हालांकि, यह पहली बार है जब रंगीन फुटेज जारी किया गया है, जो पहले काले और सफेद में आता था। वीडियो में समुद्र में एक छोटी नौका को दिखाया गया है, जिस पर हमला होने के बाद वह आग की लपटों में घिर जाती है। इसके बाद नाव आग की लपटों में घिरी हुई दिखाई देती है, जिसके चारों ओर पानी में पार्सल या अन्य वस्तुएं फैली हुई हैं। इस हमले के साथ ही सितंबर की शुरुआत में शुरू हुए अमेरिकी हमलों की श्रृंखला में मरने वालों की संख्या 202 हो गई है। पिछले मंगलवार और बुधवार को भी दो अन्य हमलों की घोषणा की गई थी। ट्रंप प्रशासन ने एलान किया है कि अमेरिका लैटिन अमेरिकी ड्रग कार्टेल के साथ सशस्त्र संघर्ष में है। अमेरिका का कहना है कि अमेरिकी समुदायों में नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए ये कार्टेल जिम्मेदार हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि यह हमला उत्तरी अमेरिका में शीर्ष अमेरिकी कमांडर जनरल फ्रांसिस एल. डोनोवन के निर्देश पर हुआ।

पाकिस्तान से अफगानिस्तान लौट रहे शरणार्थियों का ट्रक पलटा, 18 लोगों की मौत

काबुल,एजेंसी। पूर्वी अफगानिस्तान में शनिवार एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। पाकिस्तान से आ रहे अफगान शरणार्थियों को लेकर जा रहा एक ट्रक राजमार्ग पर पलट गया। इस हादसे में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 35 अन्य घायल हो गए। इसमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता अब्दुल मलिक नियाजई ने बताया कि यह दुर्घटना अफगानिस्तान की राजधानी काबुल को नंगरहार प्रांत से जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग पर लगमान प्रांत में हुई। उन्होंने बताया कि मृतकों में 10 बच्चे और पांच महिलाएं शामिल हैं और घायलों को चिकित्सा उपचार के लिए नांगरहार के अस्पतालों में ले जाया गया है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने इस घटना पर दुख जताया है। वहीं, पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटनाएं आम बात हैं, जहां सड़कों का रखरखाव खराब है। वहीं, चालक नियमित रूप से यातायात नियमों की अनदेखी करते हैं। ये यात्री उन हजारों अफगानियों में शामिल थे, जो हाल ही में पाकिस्तान से लौटे हैं। पाकिस्तान ने 2023 में अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई शुरू की थी और तब से कई लोगों को निर्वासित कर दिया है या उन्हें देश छोड़ने के लिए दबाव डाला है। इसी दौरान ईरान ने अफगान प्रवासियों के निष्कासन को भी तेज कर दिया। तब से, लाखों अफगान दोनों देशों से अपने घर लौट चुके हैं, जिनमें से कई पाकिस्तान में पैदा हुए थे और दशकों तक वहीं रहकर काम कर चुके थे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

पैरों में सूजन और हाथों पर निशान, ट्रंप की मेडिकल रिपोर्ट पर बोले डाक्टर– राष्ट्रपति पूरी तरह से फिट

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उनके डॉक्टर ने कहा है कि मंगलवार को वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में हुए हेल्थ चेकअप के बाद ट्रंप पूरी तरह स्वस्थ हैं। डॉक्टर के मुताबिक, उनकी सेहत बहुत अच्छी है और वह राष्ट्रपति के तौर पर अपनी जिम्मेदारियां निभाने के लिए पूरी तरह फिट हैं। हालांकि अभी भी उनके पैर के निचले हिस्से में हल्की सूजन और हाथ में मामूली चोट के निशान हैं। डॉ. शॉन बारबेला की ओर से शुक्रवार देर रात एक रिपोर्ट जारी की गई। इसमें कहा गया है कि ट्रंप ने सीटी स्कैन और अन्य हृदय संबंधी इमेजिंग के साथ कैंसर स्क्रीनिंग और अन्य निवारक आकलन भी करवाए। यह पूरी प्रक्रिया 22 विशेषज्ञों की निगरानी में हुआ। बारबेला के रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रंप के पैर के निचले हिस्से में हल्की सूजन, जिसमें पिछले साल की तुलना में सुधार हुआ है।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।